हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 103 जौनपुर, सोमवार 08 जनवरी 2024 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

नेतृत्व अच्छा होता है तो बढ़ता है सबका सम्मान : मुख्यमंत्री

राप्तीनगर और नंदानगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम योगी

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जब नेतृत्व अच्छा होता है तो सबका सम्मान बढ़ता है। दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यही हुआ है। भारत दुनिया के अंदर एक नई ताकत बनकर उभरा है। देश का सम्मान बढ़ने से सभी नागरिकों को गौरव की अनुभूति हो रही है। देश में हाइवे, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी का विस्तार हो रहा है। एम्स बन रहे हैं, उद्योग लग रहे हैं। बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन हो रहा है। बिना भेदभाव गरीब कल्याण योजनाओं का लाभ सभी पात्रों को मिल रहा है।

सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के राप्तीनगर और नंदानगर में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया। दोनों स्थानों पर उमड़े जनसमूह के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं का आधार जाति, मत, मजहब या क्षेत्र नहीं है बल्कि गांव, गरीब, किसान, महिलाएं और नौजवान है। आज जितनी योजनाएं चल रही हैं, उसकी पहले कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। देश में 4 करोड़ और उत्तर प्रदेश में 55 लाख लोगों को मुफ्त मकान की सुविधा मिली है। राज्य में 15 करोड़ लोगों को साढ़े तीन साल से मुफ्त राशन मिल रहा है और यह अगले पांच साल तक मिलता रहेगा। बड़ी संख्या में लोगों को आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। सीएम योगी ने कहा कि जो पहले कभी नहीं हुआ था, वह अब हो रहा है। आज रोजगार मिल रहा है, विकास हो रहा है, महिलाओं को सुरक्षा मिल रही है, किसानों को सम्मान मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में उमड़ी भीड़ इस बात की गवाही दे रही है कि बड़े पैमाने पर योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचा है। उन्होंने अपील की कि जिन लोगों को किसी कारण से योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाया है, उन्हें भी इसके लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज नए परिवेश में बदलते नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में बदलते गोरखपुर के भी दर्शन हो रहे हैं। यहां खाद कारखाना शुरू हो चुका है, एम्स खुल गया है, बीआरडी मेडिकल कॉलेज चिकित्सा का उत्कृष्ट केंद्र बन चुका है। जो रामगढ़ताल अपराध का गढ़ हुआ करता था, वह आज पर्यटन के नक्शे पर चमक रहा है। जिस इंसेफेलाइटिस से हजारों बच्चों की मौत हो जाती थी, उस पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी लोगों को मकर संक्रांति और 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आह्वान किया कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर सभी लोग स्वच्छता अभियान चलाकर धर्मस्थलों को स्वच्छ और सुंदर बनाएं। कार्यक्रम को सांसद रविकिशन शुक्ल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे। विकसित भारत संकल्प यात्रा के आज के दोनों कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न योजनाओं यथा पीएम आवास योजना, पीएम स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, बीसी सखी, उज्ज्वला, आयुष्मान योजना के लाभार्थियों से संवाद भी किया। सभी ने अपने अनुभव सुनाते हुए मोदी–योगी सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ देना ही मोदी जी की गारंटी है। उन्होंने लाभार्थियों से कहा कि वह अन्य लोगों को भी जागरूक कर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाएं।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने पीएम आवास योजना, आयुष्मान योजना, पीएम स्वनिधि योजना, उज्ज्वला आदि योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, कंबल व मिष्ठान वितरित किया।

मोदी बिहार से लोकसभा चुनाव अभियान का आगाज करेंगे

चंपारण के बेतिया में 13 जनवरी को पहली रैली करेंगेय इसी दिन झारखंड जाएंगे

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत बिहार से कर सकते हैं। न्यूज एजेंसी इंडिया ने भाजपा सूत्रों के हवाले से बताया कि 13 जनवरी को च्ड चंपारण के बेतिया में रैली करेंगे। वे रमन मैदान में एक जनसभा भी करेंगे। इसी दिन वे झारखंड के धनबाद भी जा सकते हैं। भाजपा सूत्रों ने बताया कि 13 जनवरी को बेतिया में पीएम मोदी बिहार के विभिन्न सड़कों और केंद्रीय योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर सकते हैं। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद यह पहली बार होगा, जब भाजपा अपने सबसे पुराने सहयोगी जेडीयू के बिना चुनावी मैदान में उतरेगी। 15 जनवरी यानी मकर संक्रांति के बाद भाजपा राज्य में कई जनसभाएं और रैलियां करेगी। खुद प्रधानमंत्री मोदी बेगूसराय, बेतिया और औरंगाबाद में तीन रैलियां करेंगे। पार्टी इस बार लोजपा और हम के साथ मिलकर 40 सीटों पर मैदान में होगी। पीएम के कार्यक्रम के बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह जनवरी और फरवरी में कैंपेन में शामिल होंगे। शाह जनवरी और फरवरी में सीतामढी, मधेपुरा और नालंदा में जनसभाएं करेंगे। वहीं, नड्डा बिहार के सीमांचल और पूर्वी इलाकों में रैलियां करेंगे। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में इंडिया को 39 सीटों पर जीत मिली थी। तब नीतीश कुमार की जेडीयू भाजपा के साथ थी। नीतीश के एनडीए से अलग होने के बाद भाजपा के पास 17 और जेडीयू के पास 16 सीटें हैं। इसके अलावा भाजपा की सहयोगी लोजपा के पास 6 सीटें हैं। एक सीट कांग्रेस के खाते में गई थी। आरजेडी के पास एक भी सीट नहीं है। लोकसभा चुनाव में भाजपा का सामना करने के लिए बने इंडिया के सामने चुनावी अभियान शुरू करने से पहले 28 दलों के बीच सीट शेयरिंग भी बड़ी चुनौती है। इसी महीने गठबंधन की पांचवीं बैठक होनी है, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हो सकती है।

संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किए जाएंगे पांच सांसद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुकांत मजूमदार और शिवसेना के श्रीकांत एकनाथ शिंदे सहित पांच लोकसभा सदस्यों को इस साल संसद रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। इसके आयोजकों ने रविवार को यह घोषणा की। भाजपा के सुधीर गुप्ता, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अमोल रामसिंग कोल्हे और कांग्रेस के कुलदीप राय शर्मा को भी इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। इन सांसदों को 17 फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक समारोह के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा। संसद रत्न पुरस्कार प्रतिवर्ष उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सांसदों को, जबकि संसद महारत्न पुरस्कार लोकसभा के कार्यकाल के दौरान प्रदर्शन में निरंतरता के लिए पांच साल में एक बार प्रदान किए जाते हैं। चेन्नई स्थित गैर–लाभकारी धर्मार्थ न्यास 'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन ने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के कहने पर इस सम्मान की शुरुआत की थी, जिन्होंने 2010 में चेन्नई में पहले पुरस्कार समारोह का उद्घाटन किया था। 'प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष के. श्रीनिवासन ने कहा कि ये पुरस्कार व्यापक प्रदर्शन पर आधारित हैं, जिसके लिए नामांकित व्यक्तियों का चयन कानून मंत्री और संसदीय मामलों के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल एवं पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त टीएस कृष्णमूर्ति की अध्यक्षता वाली एक प्रतिष्ठित निर्णायक समिति ने किया। कामकाज के प्रदर्शन के आंकड़े लोकसभा और राज्यसभा की वेबसाइट तथा पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च से प्राप्त किया गया है। यह भारत में प्रदर्शन करने वाले सांसदों को सम्मानित करने के लिए किसी सामाजिक संगठन द्वारा दिया जाने वाला एकमात्र पुरस्कार है। संसद रत्न पुरस्कार समिति की अध्यक्ष और प्राइम प्वाइंट फाउंडेशन की न्यासी सचिव प्रियदर्शनी राहुल ने कहा कि एन. के. प्रेमचंद्रन (आरएसपी, केरल),

अधीर रंजन चौधरी (कांग्रेस, पश्चिम बंगाल), विद्युत बरन महतो (भाजपा, झारखंड) और हीना विजयकुमार गावित (भाजपा, महाराष्ट्र) को 17वीं लोकसभा के लिए संसद महारत्न पुरस्कार के लिए चुना गया है। उन्होंने बताया, ''पिछली 16वीं लोकसभा के संसद महारत्न पुरस्कार विजेताओं– सुप्रिया सुले (राकांपा, महाराष्ट्र), श्रीरंग अप्पा बर्णे (शिवसेना, महाराष्ट्र) और भर्तृहरि महताब (बीजू जनता दल, ओडिशा) के निरंतर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को मान्यता देते हुए जूरी समिति ने उन्हें 17वीं लोकसभा में भी उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित करने का निर्णय लिया है और इन तीनों सांसदों को संसद उत्कृष्ट मान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी पुरस्कार विजेताओं का चयन उनके सदन में चर्चा शुरू करने, गैर–सरकारी विधेयक लाने और निचले सदन में उनके द्वारा उठाए गए सवालों के आधार पर जूरी समिति द्वारा पारदर्शी तरीके से किया गया है।

तेलंगाना में पांच गारंटियों के लिए 1.05 करोड़ से अधिक आवेदन

एजेन्सी

हैदराबाद। हाल के चुनावों में कांग्रेस पार्टी द्वारा वादा की गई छह में से पांच गारंटी के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए तेलंगाना सरकार को 1.05 करोड़ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

नई सरकार के सार्वजनिक आउटरीच कार्यक्रम प्रजा पालन के दौरान, जो 6 जनवरी को समाप्त हुआ, राज्य भर में 1.25 करोड़ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

अधिकारियों के मुताबिक, सभी गांवों, कस्बों और शहरों में 1,25,84,383 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 1,05,91,636 आवेदन पांच गारंटियों के लिए थे। बाकी 19,92,747 आवेदन अन्य जरूरतों के लिए थे। 28 दिसंबर को शुरू हुआ यह कार्यक्रम 12,769 ग्राम पंचायतों और 3,623 नगरपालिका वार्डों में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कुल 1,11,46,293 घरों को कवर किया गया। जो लोग कार्यक्रम के दौरान आवेदन जमा नहीं कर सके, वे बाद में ग्राम पंचायत और नगरपालिका वार्डों के कार्यालयों में आवेदन जमा कर सकते हैं।

महालक्ष्मी, रायथु भरोसा, गृह ज्योति, इंदिरम्मा इंदलु और चेयुथा के कार्यान्वयन के लिए आवेदन प्राप्त हुए थे। पांच गारंटियों के लिए एक ही आवेदन पत्र था।

छठी गारंटी (युवा विकासम) के लिए शैक्षणिक संस्थानों में आवेदन बाद में प्राप्त किये जायेंगे महालक्ष्मी के तहत प्रत्येक महिला को प्रति माह 2,500 रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी जबकि 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर की आपूर्ति की जाएगी। रायथु भरोसा गारंटी के तहत, प्रत्येक किसान को हर साल प्रति एकड़ 15,000 रुपये मिलेंगे। खेतिहर मजदूरों को सालाना 12,000 रुपये मिलेंगे। इंदिराम्मा इंदलु के तहत बेघरों को घर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। तेलंगाना के शहीदों और तेलंगाना आंदोलन में भाग लेने वाले लोगों के परिवारों को 250 वर्ग गज का घर आवंटित किया जाएगा। गृह ज्योति के तहत हर महीने 200 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। युवा विकासम के तहत, पार्टी ने सभी मंडलों में छात्रों और तेलंगाना अंतर्राष्ट्रीय स्कूलों में से प्रत्येक के लिए 5 लाख रुपये के विद्या भरोसा कार्ड का वादा किया। चेयुथा के तहत, वृद्धावस्था, विधवा, एकल महिलाओं जैसी विभिन्न श्रेणियों के लाभार्थियों को 4,000 रुपये मासिक पेंशन मिलेगी। विकलांगों को हर महीने 6,000 रुपये मिलेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि रायथु बंधु और पेंशन योजनाओं के सभी मौजूदा लाभार्थियों को दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है। मुख्य सचिव ए शांति कुमार ने कहा है कि प्रजा पालन चार माह में एक बार आयोजित किया जायेगा. उन्होंने कहा कि जो लोग इस बार अपना आवेदन जमा नहीं कर सके, उन्हें एक और मौका मिलेगा।

कांग्रेस ने मेवाराम जैन को प्राथमिक सदस्यता से किया निलंबित

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस ने बाड़मेर के पूर्व विधायक मेवाराम जैन को दुष्कर्म के आरोप के चलते कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शनिवार देर रात आदेश जारी कर श्री जैन की पार्टी की प्राथमिक सदस्यता निलंबित कर दी। आदेश में कहा गया है कि श्री जैन के अनैतिक कार्य से स्पष्ट होता है कि उन्होंने कांग्रेस के संविधान के खिलाफ आचरण किया है। उल्लेखनीय है कि एक महिला ने पिछले दिनों जोधपुर के राजीव नगर थाने में श्री जैन सहित नौ लोगों के खिलाफ एससी–एसटी, सामूहिक दुष्कर्म, पोक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कराया था। श्री जैन तीन बार विधायक और नगरपालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं।

दिल्ली में 12 साल की लड़की से गैंगरेप, महिला सहित 5 गिरफ्तार, 3 आरोपियों की उम्र 15 साल से भी कम

एजेन्सी

नयी दिल्ली। नॉर्थ दिल्ली में एक 12 साल की नाबालिक के साथ गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। हैरानी वाली बात यह है कि इस गैंगरेप में एक महिला की भी भूमिका रही। पुलिस ने रविवार को बताया कि दिल्ली के सदर बाजार में एक महिला ने 12 साल की एक लड़की को फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गई जहां एक आदमी और तीन लड़कों द्वारा उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। उन्होंने बताया कि तीन नाबालिगों सहित सभी पांच आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।पुलिस ने बताया कि महिला पुरानी दिल्ली के सदर बाजार में उस व्यक्ति की चाय की दुकान पर एक ग्राहक थी। 12, 14 और 15 साल की उम्र के तीन लड़के स्टॉल पर कर्मचारी थे।1 जनवरी को, चाय की दुकान के मालिक ने इलाके में कचरा बीनने का काम करने वाली महिला से नए साल का जश्न मनाने के लिए एक लड़की की व्यवस्था करने को कहा था। इतना ही नहीं आरोपियों ने रात गुजारने के लिए इलाके में एक

सीलबंद इमारत के अंदर प्लास्टिक के तिरपाल से अस्थायी आश्रय बनाया था। पुलिस को संदेह है कि उस व्यक्ति ने लड़की को उनके पास लाने के बदले में महिला को कुछ पैसे की पेशकश की होगी। अगले दिन, महिला कूड़ा बीनने वाली एक अन्य 12 वर्षीय लड़की से मिली और कथित तौर पर उसे खुर्शीद मार्केट में एक इमारत की छत से कचरा इकट्ठा करने के लिए कहा। लड़की जब इलाके में पहुंची तो चारों आरोपी उसका इंतजार कर रहे थे. उन्होंने अस्थायी ढांचे के अंदर बारी–बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में उन्होंने घटना के बारे में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी। लड़की उत्तर पश्चिम दिल्ली स्थित अपने घर लौट आई और दो दिनों तक चुप रही।

5 जनवरी को, जब वह कूड़ा बीनने के लिए सदर बाजार लौटी, तो उसने इलाके में रहने वाले अपने चचेरे भाई से इस बारे में बात की। चचेरी बहन ने उसके माता–पिता को इसकी जानकारी दी और परिवार ने पुलिस से संपर्क किया।

जेल में बंद एमएलए को आप ने बनाया लोकसभा कैंडिडेट

एजेन्सी

अहमदाबाद। आम आदमी पार्टी (आप) ने जेल में बंद अपने विधायक चौतर वसावा को गुजरात के भरुच लोकसभा सीट से पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने नेत्रांग में रैली को संबोधित करते हुए इस बात की घोषणा की। केजरीवाल राज्य के दो दिन के दौरे पर हैं। चौतर वसावा गुजरात की देदियापाड़ा से पार्टी के एक मात्र विधायक हैं। वसावा फिलहाल वन विभाग से जुड़े एक मामले में जेल में बंद हैं। चौतर के समर्थन में अरविंद केजरीवाल जनसभा करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा– यह आदिवासी समुदाय के सम्मान की लड़ाई है। हमें भाजपा को स्पष्ट संदेश देना है कि यह अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केजरीवाल सोमवार को जेल में वसावा से मिलने जाएंगे। केजरीवाल शनिवार को गुजरात जाने वाले थे, लेकिन दिल्ली में 2024–25 के बजट की मीटिंग के चलते वे नहीं जा सके। इस तरह अब उनका गुजरात दौरा 3 दिन की बजाय 2 दिन का हो गया है। केजरीवाल सोमवार को जेल में बंद विधायक से मुलाकात करेंगे अरविंद केजरीवाल सोमवार को जेल में बंद चौतर वसावा से मुलाकात करेंगे। केजरीवाल शनिवार को गुजरात जाने वाले थे, लेकिन दिल्ली में 2024–25 के बजट की मीटिंग के चलते वे नहीं जा सके। इस तरह अब उनका गुजरात दौरा 3 दिन की बजाय 2 दिन का हो गया है।

चौतर वसावा पर नर्मदा जिले के वन विभाग के एक कर्मचारी को अपने घर बुलाकर पीटने के अलावा फायरिंग कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। 4 नवंबर को FIR दर्ज होने के बाद वसावा फरार हो गए थे।

डेटा सेंटर बिजनेस में उतरे मुकेश अंबानी, अगले हफ्ते करने जा रहे बड़ा ऐलान

एजेन्सी

मुंबई। दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी ने रविवार को कहा कि उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज कनाडा की ब्रूकफील्ड के साथ साझेदारी में अगले सप्ताह चेन्नई में एक डेटा सेंटर खोलेगी। रिलायंस ने पिछले साल जुलाई में एक मौजूदा संयुक्त उद्यम में प्रवेश करने के लिए करीब 378 करोड़ रुपए का निवेश किया था, जिसमें ब्रूकफील्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर और अमेरिका के रियल्टी एस्टेट निवेश ट्रस्ट डिजिटल रियल्टी पहले से ही भागीदार थे। इन तीनों की इस उद्यम में 33–33 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

तमिलनाडु ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका समूह नवीकरणीय ऊर्जा तथा हरित हाइड्रोजन के साथ–साथ राज्य में एक डेटा सेंटर स्थापित करने में भी निवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि रिलायंस ने अत्याधुनिक डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए कनाडा की ब्रूकफील्ड एसेट मैनेजमेंट और अमेरिका स्थित डिजिटल रियल्टी के साथ साझेदारी की है। डेटा सेंटर अगले सप्ताह खोला जाएगा। भारतीय डेटा सेंटर बाजार हाल के महीनों में गौतम अडानी के अडानी ग्रुप और सुनील मित्तल की भारती एयरटेल लिमिटेड के बाद अब रिलायंस के प्रवेश के साथ इसकी चर्चा तेज हो गई है। इसके सालाना 40 प्रतिशत की दर से बढ़ने और 2025 तक पांच अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने की उम्मीद है।

सम्पादकीय

माता सावित्रीबाई फुले

क्रांतिज्योति माता सावित्रीबाई का जन्म नायगांव तालुका खंडाला जिला सातारा (महाराष्ट्र) में हुआ। उनके पिता का नाम खंडोजी नेवसे पाटिल था। महात्मा ज्योतिराव फुले का धर्म के ठेकेदारों ने बहुत अपमान किया। महात्मा फुले ने इन सभी की परवाह न करते हुए 1 जनवरी 1948 को पूना में लड़कियों के लिये देश का प्रथम विद्यालय आरंभ किया जिसमें पढने के लिये बड़ी मुश्किल से उन्हें केवल छरू लड़कियां ही मिली थी। लड़कियों के विद्यालय में पढ़ाने के लिए कोई महिला शिक्षिका नहीं मिली तब उन्होंने पत्नी सावित्रीबाई को लड़कियों को पढ़ाने का कार्य सौंपा। इस प्रकार सावित्रीबाई फुले इतिहास में प्रथम महिला शिक्षिका के रूप में अमर हो गई। तत्कालीन समय के अनुसार फुले दम्पत्ति का यह प्रयास धर्मविरोधी आचरण था। जब सावित्रीबाई, घर से स्कूल जाने के लिए निकलती थी, तब लोग उन पर गोबर–पत्थर मारते थे। उस समय सावित्रीबाई कहती थी, मेरे भाईयों, मुझे प्रोत्साहन देने के लिये आप मुझ पर पत्थर नहीं, फूलों की वर्षा कर रहे हैं। तुम्हारी इस करनी से मुझे यही सबक मिलता है कि मैं निरंतर अपनी बहनों की सेवा करती रहूं, ईश्वर तुम्हें सुखी रखे।य

लड़कियों को पढ़ाने का तोहफा उन्हें अपना घर–परिवार को छोडने के रूप में मिला। लड़कियों की पढ़ाई का उच्चवर्णियों ने जमकर विरोध किया। उन्होंने ज्योतिराव फुले के पिता को धमकी दी। इस धमकी से डरकर ज्योतिराव फुले के पिता ने ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई को घर से निकाल दिया। इतना सब कुछ होने के बाद भी पति–पत्नी दोनों ने लड़कियों की शिक्षा का कार्य बंद नहीं किया एवं विधवा आश्रम तथा अनाथ आश्रम भी प्रारंभ किये। विधवा आश्रम में करीब 100 महिलाएं रहती थी। विधवाओं तथा अनाथ बच्चों की सेवा में माता सावित्रीबाई को बहुत आनंद मिलता था। उनकी अपनी कोई संतान नहीं थी, इसलिए उन्होंने एक अनाथ बच्चे को गोद लेकर उसका नाम यशवंत रखा। आगे चलकर यशवंत डॉक्टर बना और उसने भी निर्धनों की सेवा की। ज्योतिनराव फुले का 28 नवंबर 1890 को अकस्मात निधन हो गया। सावित्रीबाई ने समाज के ठेकेदारों की परवाह न करते हुए ज्योतिराव के पार्थिव शरीर को स्वयं अपने हाथों से मुखाग्नि दी। हजारों वर्षों के इतिहास में सावित्रीबाई ऐसी पहली महिला थी जिन्होंने अपने पति के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। पति की मृत्यु के पश्चात भी माता सावित्री बाई ने धर्म सुधार का कार्य सतत प्रारंभ रखा। सत्यशोधक समाज एवं अन्य संगठनों का कार्यभार अपने कंधों पर लेकर गरीब एवं समाज से उपेक्षित लोगों की हमेशा मदद की। सन् 1897 को पुणे में प्लेग की महामारी फैली। इस महामारी का मुकाबला करने के लिए सावित्रीबाई ने अपने डॉक्टर पुत्र यशवंत को सरकारी अस्पताल से छुट्टी लेकर पूना बुलाया। अपने पुत्र के साथ मिलकर उन्होंने प्लेग की बीमारी से पीडित लोगों की सेवा का कार्य आरंभ किया। सावित्रीबाई को मालूम था प्लेग छूत की बीमारी है। मरीजों के साथ रहते हुए, उन्हें भी बीमारी हो सकती थी परन्तु धन्य थी माता सावित्रीबाई जिन्होंने अपने प्राणों की परवाह न करते हुए मरीजों की सेवा चालू रखी। अंत में जिस बात का डर था वही हुआ। मरीजों की सेवा करते माता सावित्रीबाई भी प्लेग बीमारी से पीडिघ्त हो गयी और इसी बीमारी के चलते 10 मार्च 1897 को उनका निधन हो गया। सावित्रीबाई फुले के द्वारा किये गए सामाजिक कार्यों का आज की पढ़ी–लिखी सभी महिलाओं को अनुकरण करना चाहिए तथा उन्हीं की तरह अडिग, अविचल होकर समाज के ठेकेदारों के तानों की परवाह न करते हुए जीवन के जटिल रास्तों पर सतत आगे बढना चाहिए।

भीड़ में खोई जिंदगी!

मैं पंद्रह–बीस दिन भीड़ में खोया रहा। दिल्ली की भीड़, ट्रेन की भीड़, शादी की भीड़, एयरपोर्ट की भीड़! और ठंड–ठिठुरन, प्रदूषण, बदबू, बदहजमी, धुंध में ऐसा फंसा कि समझ नहीं आया कि करें तो क्या करें! लिखें तो क्या लिखें! कुछ वर्षों से मैं दीपावली के बाद, सर्दियों में दिल्ली से दूर राजस्थान में रहता हूं। लेकिन इस वर्ष दिल्ली में अभिन्न परिवारों से शादियों के न्योते थे तो दिल्ली आना पड़ा। और ठंड, भीड़, प्रदूषण से बच नहीं पाया। बुखार, वायरल, खांसी से दिमाग झनझनाया। और सवाल बना कि हम हो क्या गए हैं? सही है शुरू से ही भीड़ हमारी प्रकृति, दशा–मनोदशा और नियति है लेकिन भीड़ तो मुझे 1975 में दिल्ली आने के वक्त भी फील हुई थी। उन दिनों मैं भी 31 दिसंबर की रात और पहली जनवरी के दिन कनॉट प्लेस, इंडिया गेट इलाके में भीड़ के जश्न में होता था। पर तब और अब के माहौल और चेहरों का फर्क! तब न प्रदूषण था, न बीमारियां थीं और न इस तरह की खबरें पढने को मिलती थी कि ठंड, प्रदूषण और हाइपरटेंशन से दिल्ली के लोगों में स्ट्रोक्स की 40 प्रतिशत बढ़ोतरी है। आईसीयू में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि है। स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारी का कारण ठंड और बढ़ता प्रदूषण है। और डॉक्टर बुखार, खांसी पर न केवल वायरल, वायरस की चेतावनी देते हैं, बल्कि कई तरह की जांच भी करवाते हैं।

दिल्ली में अस्सी–नब्बे के दशक में भी ठंड पड़ती थी। और इन सालों की तुलना में अधिक। पर तब ठंड में मजा था। मैं उन दिनों नई दिल्ली के एनडीएमसी इलाके में ही रहता था तो ठंड के बावजूद तालकटोरा पार्क घूमने का ठीकाना था। सर्दियों में दिल्ली के मंडी हाउस इलाके में संगीत, नाटक, कला प्रदर्शनियों, साहित्य अकादमी की गतिविविधियों का अंबार लगा होता था। लोगों को याद नहीं रहा होगा मगर सत्य है जो अखबारों के लोकल पेज में तब श्आज के कार्यक्रमय में पूरा कॉलम शहर में होने वाली सांस्कृतिक गतिविधियों की सूचना देता था। रात–रात भर संगीत कार्यक्रम होते थे। त्रिवेणी, कमानी, एनएसडी, मार्डन स्कूल, प्रगति मैदान में शास्त्रीय संगीत, किताब चर्चा, अंतरराष्ट्रीय स्तर की कला प्रर्दशनी जैसे त्रिनाले, नाट्य पखवाड़ा और दूतावासों के सांस्कृतिक केंद्रों में भी सिनेमा–कला के शो हुआ करते थे।

वैसा अब कुछ नहीं है। दिल्ली सांस्कृतिक तौर पर पूरी तरह सूखी और उजड़ी हुई है। और सबसे बड़ा त्रासद सत्य दिल्ली में तब लोगों का जो हुजूम होता था, जिस कद–काठी के चेहरों का जो संभ्रात वर्ग दिखता था, उसकी कल्पना अब संभव नहीं है। इसलिए कि पहली बात तो दिल्ली में कला– साहित्य, नाटक, सांस्कृतिक गतिविधियां हैं कहां जो जमावड़ा बने? और जैसा दिल्ली में है वैसा मुंबई, कोलकत्ता, चेन्नई, पुणे आदि महानगरों में भी है। मुंबई–पुणे भी एक वक्त मराठी रंगमंच, जहांगीर आर्ट गैलेरी, कला प्रर्दशनियों, साहित्यिक लेखन, बहस का ठिकाना होता था। लेकिन ये भी अब भीड़, धंधे, पैसे और झुग्गी–झोपड़ी के शहर हैं। जेआरडी के वक्त टाटा ग्रुप के आर्ट–कल्चर के जैसे प्रकाशन हुआ करते थे वैसा अब कुछ भी नहीं है। उनके उत्तराधिकारी रतन टाटा, अंबानी–अडानी जैसे कितने ही खरबपति पैदा हो गए हों लेकिन ये कुल मिलाकर गरबा डांस, फिल्मी ग्लैमर और दिखावे के, महज फैशन स्टेटमेंट हैं! टाटा ग्रुप ने ज्ञान–विज्ञान–रिसर्च की कितनी संस्थाएं बनाईं थी जबकि रतन टाटा के वक्त एक भी नहीं। और लाइसेंस राज के अंबानी–अडानी आदि की देन पर तो सोचना ही क्या!

इस एक जनवरी को इंडिया गेट इलाका भीड़ से भरा था। कथित एलिट बाजार खान मार्केट के मेट्रो स्टेशन में बाहर तक लंबी लाइन थी। खान मार्केट में फैशन स्टेटमेंट याकि विदेशी ब्रांड के बैग, कपड़े आदि के लटके–झटके के कथित कुलीन चेहरों के साथ भदेस चेहरों का कुछ ऐसा नजारा था कि जुगुप्सा बनी कि हम कैसे बेड़ौल, अजब नमूना बन गए हैं!

भारत का सूर्य को साक्षात नमस्कार

प्रेम शर्मा

वर्ष की समाप्ति पर इसरों ने भारत के लिए बड़ी उपलब्धि दर्ज कराते हुए चंद्रयान–3 के जरिए भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में नया इतिहास रचा था। इस मिशन की सफलता के साथ ही भारत चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला पहला देश बना। अब नए साल पर अंतरिक्ष में एक और इतिहास रच दिया है। चंद्रयान–3 की सफलता के बाद भारत का पहला सोलर मिशन 'आदित्य एल1' शनिवार शाम चार बजे के करीब अपने लक्ष्य पर पहुंच गया। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो ने इसे कमांड देकर एल1 प्वॉइंट की हैलो ऑर्बिट पर पहुंचा दिया। यान को पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य–पृथ्वी प्रणाली के 'लैग्रेंज प्वाइंट 1' (एल 1) के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित किया गया है। अब यह पांच साल तक सूर्य की स्टडी करेगा। इस तरह दो सितंबर को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सूर्य की ओर शुरू हुई 15 लाख किलोमीटर की यह यात्रा अपने मुकाम पर पहुंच गई। 400 करोड़ रुपए का यह मिशन अब भारत समेत पूरी दुनिया के सेटेलाइट्स को सौर तूफानों से बचाएगा। यह मिशन केवल भारत के लिए नही वरन पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। 15 लाख किलोमीटर की दूरी वाला यह दुरूह मिशन 37 लाख किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद हासिल हो पाया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सूर्य के अध्ययन के लिए प्रक्षेपित अपने वेधशाला उपग्रह 'आदित्य एल वन को धरती से १५ लाख किलोमीटर दूर स्थित विशिष्ट परिक्रमा क्षेत्र में पहुंचाने के जटिल लप्य को साधकर अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ा। सौरमंडल में सूर्य और धरती जैसे बड़े पिंड के सापेक्ष तीसरे आदित्य वन जैसे परिक्रमाशील छोटे पिंड पर गुरुत्वाकर्षण बलों तथा उस पिंड के अपक्रेंद्रीय (केंद्र से दूर ले जाने वाले) तथा अभिकेंद्रीय (केंद्र की ओर ले जाने वाले) बल के बीच एक ऐसा संतुलन स्थापित करने वाला सापेक्ष बिंदु है, जिस पर यह उपग्रह टिका रह सकता है और उसे वहां बने रहने के लिए ज्यादा ऊर्जा की आवश्यकता नहीं होती। इस सौरमंडल में एल वन के अलावा ऐसे चार और बिंदु खोजे गए हैं। आदित्य एल वन इस कक्षा 'में दो वर्षों तक सूर्य का अध्ययन करेगा 'और महत्वपूर्ण आंकड़े जुटा कर इसरो को भेजेगा। ज्ञात हो कि चंद्रयान की सफलता के कुछ ही 'दिन बाद इसरो ने सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल वन मिशन को दो सितम्बर को प्रारंभ किया था। एल वन बिंदु के चारों ओर प्रभामंडल कक्षा में स्थापित आदित्य एल वन उपग्रह के साथ यह बिना किसी ग्रहण के लगातार सूर्य को देख सकेगा। इससे सौर गतिविधियों को लगातार देखने का अधिक लाभ मिलेगा। आदित्य एल वन विद्युत चुम्बकीय और कण डिटेक्टरों का उपयोग करके प्रकाशमंडलॉ क्रोमोस्फीयर और सूर्य की सबसे बाहरी परतों (कोरोन) का निरीक्षण करने के लिए सात पेलोड लेकर गया है। एल वन के विशेष सुविधाजनक बिंदु का उपयोग करते हुए चार पेलोड सीधे सूर्य को देखेंगे और शेष तीन पेलोड एल वन पर कणों और क्षेत्रों का यथास्थान अध्ययन करेंगे। अनुमान के मुताबिक पांच वर्षों के मिशन जीवन के साथॉ आदित्य एल वन पेलोड से कोरोनल हीटिंग की समस्या को समझने के लिए सबसे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान मिलेगी। भारत का पहला सौर मिशन आदित्य एल वन दो सितम्बर २०२३ को प्रक्षेपित होने के १२७ दिन बाद यह ६ जनवरी २०२४ को एल वन बिंदु पर पहुंच गया। आदित्य पर सात वैज्ञानिक पेलोड तैनात किए गए हैं। इनमें विजिबल एमिशन लाइन कोरोनोग्राफ (वीईएलसी), सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (सूइट), सोलर लो एनर्जी एक्स–रे स्पेक्ट्रोमीटर (सोलेक्सस), हाई–एनर्जी एल1 ऑर्बिटिंग एक्स–रे स्पेक्ट्रोमीटर (हेल1ओएस) शामिल हैं, जो सीधे तौर पर सूर्य को ट्रैक करें। वहीं, तीन इन–सीटू (मौके पर) मापने वाले उपकरण हैं, जिनमें आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स), प्लाज्मा एनालाइजर पैकेज फॉर आदित्य (पीएपीए), और एडवांस थ्री डाइमेंशनल हाई रिजोल्यूशन डिजिटल मैग्नेटोमीटर (एटीएचआरडीएम) शामिल हैं। इस मिशन से खास तौर पर हमारे सौर मण्डल के मौसम पर सूर्य के प्रभाव, इससे निकले कणों व क्षेत्र के बारे में जानकारियॉ हासिल होगी। सौर पवन की उपत्ति, संरचना और आयामों की जानकारी, पृथ्वी के चुबंकीय क्षेत्र को प्रभावित करने वाले ओर हमारे उपग्रह को नुकसान पहुचाने वाले कोरोनल मास इजेक्शन कहा बनते है, कैसे विकसित होते है और सौर मण्डल में कैसे फैलते है इसका पता चलेगा। सूर्य की उपरी सतह पर क्रोमोस्फीयर व कोरोना के रहस्य पता चलेगें। इन सतहों पर होने वाली गर्मी की वजह, प्लाज्मा और सौर लपटों के पैदा होने स्थिति और हालात का पता चलेगा। सूर्य से निकले प्लाज्मा से एल वन बिन्दु पर होने वाले असर का पता चलेगा। इसी तरह अन्य कई रहस्य से पर्दा उठेगा जो आने वाले समय में देश के साथ सारी दुनिया के लिए लाभकारी होगा।

इस अहम कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करके बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा है कि भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की। भारत की पहली सौर वेधशाला आदित्य–एल1 अपने गंतव्य तक पहुंची। पीएम मोदी ने आगे लिखा है कि यह सबसे जटिल और पेचीदा अंतरिक्ष अभियानों को साकार करने में हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। हम मानवता के लाभ के लिए विज्ञान की नई सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे। आदित्य–एल1 मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर निगार शाजी ने बताया है कि ये मिशन सिर्फ सूरज की स्टडी करने में मदद नहीं करेगा, बल्कि करीब 400 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट सौर तूफानों की जानकारी भी देगा, जिससे भारत के पचासों हजार करोड़ रुपए के पचासों सेटेलाइट को सुरक्षित किया जा सकेगा। जो भी देश इस तरह की मदद मांगेगा, उन्हें भी मदद की जाएगी। ये प्रोजेक्ट देश के लिए बेहद जरूरी है। सौर मिशन आदित्य–एल1 के हेलो ऑर्बिट में प्रवेश करने पर ISRo~ प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा, यह हमारे लिए बहुत संतुष्टिदायक है क्योंकि यह एक लंबी यात्रा का अंत है. लिफ्ट–ऑफ से लेकर अब तक 126 दिन बाद यह अंतिम बिंदु पर पहुंच गया है. इसलिए अंतिम बिंदु तक पहुंचना हमेशा एक चिंताजनक क्षण होता है, लेकिन हम इसके बारे में बहुत आश्वस्त थे. तो जैसा अनुमान लगाया गया था वैसा ही हुआ.भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरों के सौर मिशन आदित्य–एल1 के हेलो ऑर्बिट में प्रवेश करने पर अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के वैज्ञानिक डॉ. अमिताभ घोष ने इसे उल्लेखनीय अंतरिक्ष यात्रा करार दिया। उन्होंने कहा कि यह वैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के वैज्ञानिक के मुताबिक, भारत अभी अधिकांश अंतरिक्ष क्षेत्रों में है। इस मिशन के बाद श्गगनयानश् की तैयारियां हो रही हैं। यह मानव अंतरिक्ष उड़ान होगा। इस पर अभी काम चल रहा है। पिछले 20 वर्षों में इसरो समेत अंतरिक्ष जगत में जबरदस्त कामयाबी हासिल की गई है। कुल मिलाकर आदित्य एल वन की यह सफलता केवल भारत के लिए नही बल्कि वैश्विक उपलब्धि में शामिल हो चुकी है।

विनम्रता और सज्जनता का मानवीय जीवन में शीर्ष स्थान

मानवता विशेष सद्गुण।

भारत की संस्कृति प्रागैतिहासिक काल से विनम्रता,सदाशयता और सज्जनता की रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि पापी को नहीं पाप को नष्ट करना चाहिए।

समाजीकरण की प्रक्रिया में मानवता का प्रथम कदम विनम्रता के साथ शुरू हो तो सफलता उसके कदम चूमना शुरु करती है। विनम्रता मनुष्य के जीवन का वह सद्गुण है जो उसे हर मुसीबत से विजई होना सिखाता है। सदाशयता भी यदि विनम्रता के साथ जुड़ जाए तो मनुष्य को ऊंचाइयों पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता है। प्रत्येक मनुष्य जीवन में उस ऊंचाई को अर्जित करना चाहता है, जिसका उसने जीवन में कभी स्वप्न देखा हो, यह जीवन का आवश्यक अंग भी है क्योंकि जीवन की सफलता और सार्थकता एक दूसरे पर आश्रित आवश्यक अंग है। मनुष्य मूल प्रवृत्ति से स्वार्थी, अंहकारी होता है, किंतु जैसे जैसे अपने आसपास के वर्तमान संपर्क में आता है उसकी मूल प्रवृत्ति का लोप होते जाता है तथा नए विचारों का प्रभाव उस पर ज्यादा से ज्यादा होने लगता है। समाज के सामाजिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए सहिष्णुता, करुणा ,सदाशयता आदि गुणों का विकास होता है और इन्हीं गुणों के मिश्रण से विनम्रता रूपी सद्गुण का समन्वय के साथ विकास होता है। विनम्रता के मामले में हम यह कह सकते हैं कि यह वह गुण है जिसे प्रकृति में महान लोगों को ही नवाजा है,या यह कहना चाहिए कि विनम्रता, संयम,सहजता आदि गुणों से ही सामान्य व्यक्ति महानता की ओर अग्रसर होता है। तुच्छ और अंहकारी व्यक्ति विनम्रता को ग्रहण नहीं कर सकता और कूप मंडूक ही बना रहता है। थोड़ा ज्ञान लेकर व्यक्ति अधजल गगरी छलकत जाए की भांति विनम्रता को त्याग देता है ऐसे में वह ना आधा रह पाता है ना ही पूरा हो पाता है। क्योंकि बड़ा और महान व्यक्ति अपनी प्रशंसा को भी सामान्य ढंग से अंगीकृत करता है और प्रशंसा सुनकर फूल कर कुप्पा नहीं हो जाता है। महान सुकरात ज्ञानी होकर भी कहते थे कि मैं अभी कुछ नहीं जानता मैं अज्ञानी हूं, इस संदर्भ में कबीर ने बहुत अच्छी सूक्ति कही बड़ा भया तो क्या भया जैसे पेड़ खजूर,पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूरयदि व्यक्ति कोई उपलब्धि हासिल कर ले तो उसका अंहकार करने की बजाय समाज के हित में उसका उपयोग करना चाहिए ना कि केवल अपने तक सीमित रखना चाहिए क्योंकि बिना सार्वजनिक हित व उपलब्धि निरर्थक है। फल आने पर वृक्ष झुक जाते हैं उसी प्रकार उपलब्धि पाने पर व्यक्ति को विनम्र हो जाना चाहिए। विनम्रता,सदाशयता वह गुण हैं जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है और अहंकार व्यक्तित्व को रसातल पर ले जाता है, क्योंकि अहंकारी व्यक्ति की किसी ज्ञान के प्रति स्वीकारोक्ति लगभग शून्य होती है। विनम्रता को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सदा नए विचारों के प्रति आकर्षित रहता है और विनम्रता के साथ नए ज्ञान को आत्मसात करते हुए उसके व्यक्तित्व में स्वतः निखार आने लगता है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम राष्ट्रपति होने के बाद भी विद्यार्थियों के संपर्क में रहकर उनसे संवाद करते थे जो उनकी महानता को सदैव पुनीत करता रहा और उसी विनम्रता सहृदयता के कारण उन्हें भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी किया गया। ज्ञान का पिपासु व्यक्ति केवल सूचनाओं का भंडारण नहीं करता बल्कि वह उन्हें विनयशील भी बनाने का प्रयास करता है और यही विनम्रता विशाल हृदयता व्यक्ति को जीवन पथ पर अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करती है। विनम्रता से ही व्यक्ति पात्रता ग्रहण करता है और विनम्रता ही व्यक्ति को सामाजिक व्यवस्था में महान बनाती है ताकि उसका जीवन लोकहित में समर्पित रहे। विनम्रता व्यक्तित्व में नेतृत्व क्षमता के विकास के लिए भी अत्यंत आवश्यक पहलु है। यदि नेतृत्व करता विनम्र हो उसके नेतृत्व को जनता स्वीकार करती है तो उससे अच्छा एवं समर्थ नायक राष्ट्र में नहीं पैदा हो सकता है। विनम्र शील व्यक्ति जनता के विचारों को आत्मसात कर अपने आप को परिपक्व बनाता है तथा अपने नेतृत्व को एक सही दिशा देने का कार्य करता है। विनम्रता का सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी थे राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान सत्य और अहिंसा को अपना साधन घोषित करते हुए स्वतंत्रता रूपी एक लक्ष्य को प्राप्ति के लिए चुना था और अहिंसा महात्मा गांधी के दो आभूषण की तरह थे जो विनम्रता को और भी मजबूत करते थे। यही कारण है कि हमने उनके नेतृत्व में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। विनम्र व्यक्ति सदा सुखी एवं संतुष्ट रहता है क्योंकि उसकी ना तो महत्वाकांक्षा होती है, ना प्रतिस्पर्धा,ना द्वेष,ईर्ष्या ना लोभ ही होता है। सभी सद्गुणों से संपन्न व्यक्ति न सिर्फ अपने लिए बल्कि समाज के लिए भी बहुत उपयोगी होता है। महात्मा बुद्ध के संदर्भ में एक बड़ा ही अनुकरणीय प्रसंग है कि जब वह ज्ञान प्राप्ति के लिए देशाटन में इधर–उधर वितरण कर रहे थे, तब लोगों ने उन पर पत्थर बरसाए उन्हें गालियां दी एवं उनको प्रताड़ित भी किया किंतु महात्मा बुद्ध इससे बिना विचलित हुए अपने कार्य तथा साधना की ओर अग्रसर होते हुए उन्होंने अंततः मां निर्वाण प्राप्त किया। और उनका ज्ञान का भंडार आज भी करोड़ों लोगों के लिए मार्गदर्शक बना हुआ है। विनम्रता और सदाशयता वह महान गुण है एवं क्षमता है जो किसी भी व्यक्ति या समाज का हृदय परिवर्तन कर सकती और जीवन को सार्थकता की ओर ले जा सकती जिस मार्ग पर चलकर व्यक्ति बहुत बड़ा एवं महान हो जाता है विनय शीलता ही मोक्ष है अर्थात विनम्र व्यक्ति जीवन में सार्थकता और जीवन के लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। विनम्रता तो व्यक्ति को धरातल से लेकर उठाकर हवा की तरह गगन के उस क्षेत्र में ले जाती है जहां वह सर्वोच्च कहे जाने वाले पर्वत से भी ऊंचा पहुंच जाता है। समाज का कुछ वर्ग विनम्रता को व्यक्ति की कमजोरी समझने का मुगालता पाल लेता है और इसी विनम्रता से ओतप्रोत व्यक्ति का आकार से दमन करने का प्रयास करता है किंतु यह एक सत्य बात है कि सत्य को कभी दबाया नहीं जा सकता ना ही प्राप्त किया जा सकता है, उसी तरह विनम्रता की शक्ति इतनी व्यापक होती है के पर्वत के समान कठोर बाधा भी दूर किसके सामने हो जाती है हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने विनम्रता के साथ ब्रिटिश बाधा को नेस्तनाबूद कर दिया था। विनम्रता और सहिष्णुता ही है जिसने हमारी भारतीय संस्कृति को हजारों वर्षों से शास्वत बना के रखा है। किसी व्यक्ति समाज और किसी राष्ट्र के लिए विनम्रता सहिष्णुता और विचार शीलता ऐसे महान गुण उसे विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर कर सकते हैं।

फुगावों की मादकता से मुक्ति का समय

पंकज शर्मा,

यह सुखद है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उत्साहीलालों की टोली की इस बिगुलबाजी की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है और पूरी संजीदगी से सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तजुर्ब्बेकार लोगों की देखरेख में पूरी करा रहा है। कांग्रेस के भीतर अपनी तिकड़मों की बिसात बिछाते घूमते रहने वाले गिरोह ने यह राग अलापना भी शुरू किया था कि इंडिया–समूह के कुछ राजनीतिक दल ऐन वक्घ्त पर पलट जाएंगे, इसलिए कांग्रेस को अकेले चुनाव लडने की तैयारियां रखनी चाहिए।

सिफर्ध इच्छाधारी होने भर से अगर इच्छाएं पूरी होने लगतीं तो फिर बात ही क्या थी? फिर इच्छाएं अगर आसमानी हों तो वे यूं ही जमीन पर नहीं उतर आती हैं। उन्हें आसमानी परिश्रम के जरिए अपनी बाहों में भर कर जमीन तक लाना पड़ता है। ला कर जमीन में बोना पड़ता है। खाद–पानी देना पड़ता है। उसके बाद फूटने वाले अंकुरों को कीड़े–मकोड़ों से सहेजना पड़ता है। तब जा कर इच्छाओं के पौधे आहिस्ता–आहिस्ता पेड़ बनते हैं। यह काम दो–चार दिनों में नहीं होता है। इसके लिए अनवरत अनथक खटने की दरकार होती है। तब कहीं जा कर किसी की कोई इच्छा थोड़ी–बहुत पूरी होती है।

और, इच्छा अगर सामूहिक हो तो उसे मंजिघ्ल तक पहुंचाने की राह सामूहिकता–भाव रख कर ही शक्घ्ल लेती है। सामूहिक मेहनत, सामूहिक दरियादिली, सामूहिक समझदारी और सामूहिक अर्थवत्ता के बिना सामूहिक लक्ष्य हासिल करने की एक भी मिसाल इतिहास में नहीं है। इकलखुरेपन से, अपना–तेरी से, अहम्मन्यता से और श्तू चल, मैं आता हूंय के कांइयापन से मजमूई मकसद पूरे होने का एक भी उदाहरण अगर दुनिया के किसी पूर्ववृत्तांत में आप ने पढ़ा हो तो बताइए। लक्ष्यों तक पहुंचने की पद्धतियां सभ्यता के आरंभ से तय हैं। वे किसी के बदलने से बदलती नहीं हैं।

2024 की वसंत ऋतु गुजरने के बाद नरेंद्र भाई मोदी का वासंती–काल समाप्त होने की उम्मीद लगाए बैठे सकल–विपक्ष के सामूहिक लक्ष्य को अंजाम तक पहुंचाना कोई खघला जी का खेल नहीं है। अगर इंडिया–समूह का कोई एक राजनीतिक दल या व्यक्ति यह सोच रहा हो कि वह अकेले अपने बूते यह करिश्मा कर दिखाएगा तो उसकी सूरमाई के परखच्चे उड़ते हम–आप गमगीन हो कर जल्दी ही देखेंगे।

ममता बनर्जी को अगर लग रहा है कि चूंकि उन्हें लोकसभा के पिछले चुनाव में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने 43.7 प्रतिशत वोट के साथ 22 सीटें दे दी थीं और कांग्रेस महज दो सीटें ही जीती थी, इसलिए सीट–बंटवारे में वे कांग्रेस को लडने के लिए दो ही सीटें देंगी तो जितनी जल्दी वे इस विपरीत–बुद्धि से बाहर आ जाएं, उनके लिए ही बेहतर होगा। ममता को यह नहीं भूलना चाहिए कि बंगाल के पिछले विधानसभा चुनाव में अगर कांग्रेस ने अपना मूक–विलय उनकी तृणमूल के साथ न कर दिया होता तो वे 294 में से 222 सीटें नहीं जीत जातीं। उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि लोकसभा के पिछले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 40.6 प्रतिशत वोट के साथ 18 सीटें जीती थीं। तृणमूल और भाजपा के बीच तीन प्रतिशत वोट और चार लोकसभा सीटों का यह फकर्ध कोई बहुत लंबा–चौड़ा नहीं है।

अरविंद केजरीवाल को भी इस खघमखघ्याली से बाहर आने की जरूरत है कि पंजाब विधानसभा चुनाव में उन्हें मिली तुक्का–विजय से आम आदमी पार्टी सचमुच का राष्ट्रीय राजनीतिक दल बन गया है। आखिर 2019 के लोकसभा चुनाव में पंजाब से उन्हें साढ़े सात प्रतिशत वोट के साथ सिफर्ध एक ही सीट तो मिली थी। पिछले साल के विधानसभा चुनाव में भी पंजाब में कांग्रेस ने 23. 1 प्रतिशत वोट और 18 सीटें हासिल की हैं। दिल्ली में भी कांग्रेस की उपस्थिति इतनी गई–बीती नहीं है कि केजरीवाल उसे खारिज कर दें। सो, अगर वे गरिमामयी तालमेल के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे तो उनकी निजी भावी सियासत ठोस बनेगी। नहीं तो वे इंडिया–समूह के साथ खघ्द की नींव को भी पोला बनाएंगे।

ममता के बारे में तो मैं पूरी तरह आश्वस्त हूं कि बावजूद अपनी थोड़ी विचलन भरी पृष्ठभूमि के वे मोशा–भाजपा से गुपचुप गलबहियां इसलिए कर ही नहीं सकती हैं कि वे जानती हैं कि जरा–सी गफलत उन्हें कहां पहुंचा देगी। जांच एजेंसियों के डर की वजह से केजरीवाल की नीयत पर शकध करने वालों से भी मैं सहमत नहीं हूं। वे भी अब अच्छी तरह समझ गए हैं कि कांग्रेस–मुक्त भारत की स्थापना के भाजपाई षडयंत्र का मोहरा बन कर वे अपने दीर्घकालीन राजनीतिक भविष्य से अंततरू हाथ धो बैठेंगे। वे अब सकल–विपक्ष के साए तले ही महफूज रह सकते हैं। इंडिया–समूह को भी यह समझ लेना चाहिए कि यह समय अपने सहयोगियों के किए–अनकिए में मीनमेख निकालने का नहीं, मजबूती से उनके साथ खड़े रहने का है।

लालू प्रसाद, नीतीश कुमार और शरद पवार की विस्तारवादी खघ्वाहिशों को सीट बंटवारे की राह का रोड़ा बता कर जोरशोर से प्रचारित करने वाले मीडिया–घुड़सवार आपको एकाध हफ्घ्ते बाद हताशा में डूबे नजर आएंगे। सत्तासीन डोरियों से संचालित नचनिया–मंडली के इन जमूरों को ऐसे–ऐसे ठुमके लगाते देख अब पूरा मुल्कध आजिज आ गया है। वे मौजूदा सत्ता–व्यवस्था से इतनी निर्लज्जता से एकाकार हो चुके हैं कि नरेंद्र भाई की विदाई का भय उनकी रक्त शिराओं में भाजपा के बदन से भी दस गुना ज्यादा रफ्घ्तार से खदबदा रहा है। सत्ताच्युत होने पर भी भाजपा का उतना बुरा हाल नहीं होने वाला है, जितना चाय से भी ज्यादा गर्म केतलियों का हो जाएगा। दस बरस के अपने घनघोर अनैतिक कर्मों का डर अब बहुत–से मीडिया–प्रेतों को बेतरह सता रहा है। सो, आने वाले चार–पांच महीने उनके नाच की नंगई तो और भी बढने ही वाली है।

अब आइए कांग्रेस पर। मुझे लगता है कि कांग्रेस यह अच्छी तरह समझ गई है कि यह वक्घ्त दोबारा नहीं आने वाला है। इसलिए वह इंडिया–समूह के अंतिम मकसद की कामयाबी के लिए असंदिग्ध दधीचि मुद्रा में है। मगर एक धड़ा है, जो इस फुगावे की मादकता में मशगूल डोल रहा है कि कांग्रेस ही इंडिया–समूह का सबसे बड़ा राजनीतिक दल हैय कि कांग्रेस ही इस चुनाव के बाद भी इंडिया–समूह के सबसे बड़े राजनीतिक दल के तौर पर उभर कर सामने आएगीय कि कांग्रेस का इतिहास 138 साल पुराना हैय कि कांग्रेस को पिछले लोकसभा चुनाव में 12 करोड़ मतदाताओं ने समर्थन दिया थाय कि राहुल गांधी की श्भारत जोड़ो यात्राय ने सकल–विपक्ष को प्राणवान बनाया हैय कि राहुल की श्भारत जोड़ो न्याय यात्राय जब मणिपुर से मुंबई पहुंच जाएगी तो सकल–विपक्ष के गालों का रंग और भी सुखर्ध गुलाबी हो जाएगाय वगैरह, वगैरह।

ये तमाम तर्क सही हैं, मगर वे मौजूं नहीं हैं। यह सुखद है कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उत्साहीलालों की टोली की इस बिगुलबाजी की पूरी तरह अनदेखी कर रहा है और पूरी संजीदगी से सीट बंटवारे की प्रक्रिया को तजुर्ब्बेकार लोगों की देखरेख में पूरी करा रहा है।

लखनऊ कैंट में तीन दिवसीय नो योर आर्मी-फेस्टिवल में उमड़ी हजारों की भीड़, हुआ समापन समारोह

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ छावनी में नो योर आर्मी फेस्टिवल आज एक भव्य समापन समारोह के साथ संपन्न हो गया। 5 जनवरी को शुरू हुए इस तीन दिवसीय महोत्सव हर वर्ग के लोग उपस्थित रहे। यहां कई अन्य आकर्षणों के अलावा सैन्य हथियारों और उपकरणों के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शन को देखने लोग आए। यह उत्सव विशेष रूप से स्कूल और कॉलेज के छात्रों के बीच लोकप्रिय था, जो भारतीय सेना की शक्ति को देखने के लिए हजारों की संख्या में आए थे और उन्हें सशस्त्र बलों में विभिन्न कैरियर अवसरों के बारे में अधिक जानने का अवसर भी मिला। इस दौरान सूर्या कमान के जीओसी–इन–सी लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, सूर्या कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा और कई वरिष्ठ सैन्य और नागरिक गणमान्य व्यक्तियों ने समापन समारोह की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर खुकरी नृत्य, कलारीपयट्टू, सैन्य बैंड, सैन्य डॉग शो सहित शानदार आकर्षण जैसे हॉट एयर बैलूनिंग और रॉक क्लाइम्बिंग आदि जैसे अन्य प्रदर्शन शामिल थे। इस अवसर पर, आर्मी कमांडर

लेफ्टिनेंट जनरल राजा सुब्रमणि ने नो योर आर्मी फेस्टिवल जबरदस्त भागीदारी के लिए नागरिकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भरता पर ध्यान देने के साथ भारतीय सेना परिवर्तनकारी दौर से गुजर रही है और नो योर आर्मी फेस्टिवल में प्रदर्शित उपकरण और हथियार इस परिवर्तन को दर्शाते हैं। आर्मी कमांडर ने उत्सव के आयोजन में शामिल भारतीय सेना की विभिन्न इकाइयों और रेजिमेंटों की भी सराहना की। उन्होंने सूचनात्मक स्टॉल लगाने के लिए भारतीय वायु सेना, जोनल भर्ती कार्यालय, एनसीसी, जिला सैनिक बोर्ड और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया। आर्मी कमांडर ने कार्यक्रम के आयोजन को सुविधाजनक बनाने में समर्थन के लिए नागरिक प्रशासन को भी धन्यवाद दिया। सूर्या कमान की ओर से, आर्मी कमांडर ने लखनऊ के लोगों को सेना दिवस 2024 समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें डॉ. भीम राव अंबेडकर मेमोरियल पार्क में आयोजित होने वाले सैन्य बैंड कॉन्सर्ट भी शामिल है। 14 जनवरी, 2024 को अम्बेडकर मेमोरियल पार्क और 15 जनवरी, 2024 को सेना दिवस और शौर्य संध्या (एक सैन्य प्रदर्शन)। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहली बार है कि लखनऊ सेना दिवस परेड की मेजबानी कर रहा है जो बहुत गर्व की बात है और लखनऊ और मध्य कमान दोनों का सम्मान की बात है। तीन दिनों नो योर आर्मी फेस्टिवल को देखने के लिए हजारों लोग सूर्या खेल परिसर में एकत्र हुए, जो 15 जनवरी, 2024 को लखनऊ में आयोजित होने वाले सेना दिवस की तैयारी में आयोजित किया गया था। भारतीय सेना की दुर्जेय शक्ति और वीरता को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अनूठा अवसर लेकर आया लखनऊ नो योर आर्मी फेस्टिवल के दौरान, दर्शकों को लुभावनी प्रदर्शनियों से रूबरू कराया गया, जिनमें मार्शल आर्ट टीमों और विभिन्न सैन्य हथियारों और उपकरणों का साहसिक प्रदर्शन किया गया था। इस कार्यक्रम में आत्म–निर्भर भारत की तकनीक–संचालित सेना के साथ–साथ कई स्वदेशी निर्मित हथियार और सैन्य उपकरण भी शामिल थे। उल्लेखनीय प्रदर्शनों में टी–90 टैंक, भारतीय सेना का मुख्य युद्धक टैंक, स्वदेशी के–9 वज्र स्व–चालित तोपखाने बंदूक, स्वदेशी रूप से निर्मित हथियार लोकेटिंग रडार, एंटी ड्रोन सिस्टम और बहुत कुछ शामिल हैं। उत्सव में कई जानकारीपूर्ण काउंटर, मनोरम सैन्य प्रदर्शन और एक रोमांचक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता शामिल थी। जोनल रिक्रूटिंग संगठन के एक सूचनात्मक काउंटर ने युवाओं को कैरियर के अवसरों और सैन्य सेवा से संबंधित नवीनतम विकास के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया। लाइव प्रदर्शनों ने अत्याधुनिक सैन्य हथियारों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया और युवाओं को आधुनिक सैन्य उपकरणों का पहला अनुभव दिया। क्विज प्रतियोगिता, इस आयोजन का एक मुख्य आकर्षण थी, जिसमें प्रतिभागियों को एक चुनौतीपूर्ण लेकिन ज्ञानवर्धक प्रतियोगिता में शामिल किया गया, जहाँ विजेताओं को विशेष रूप से तैयार किए गए स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। इस अनूठे अवसर ने उपस्थित लोगों को हमारे सशस्त्र बलों द्वारा उपयोग की जाने वाली अत्याधुनिक तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का मौका दिया, जिससे भारतीय सेना और इसकी दुर्जेय ताकत के बारे में गहरी समझ विकसित हुई।5 जनवरी, 2024 को महोत्सव के उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपस्थित थे, जिन्होंने भारतीय सेना के वीर सैनिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारतीय सेना राष्ट्र का गौरव है।

भारत छोड़कर क्यों जा रहे हैं लोग सरकार बताए : अखिलेश

संवाददाता

लखनऊ। लगातार समाजवादी पार्टी कार्यालय में आयोजित होने वाले फ्रंटल विंग बैठकों में रविवार को अधिवक्ता महासभा की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में एक हजार से ज्यादा अधिवक्ता शामिल हुए। अधिवक्ताओं ने अपने मुद्दे और अपनी बातों को अखिलेश यादव के सामने रखा। अखिलेश ने अधिवक्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा मैं आप सभी से अपील करता हूं और सहयोग मांगता हूं। 2024 में अपना एजेंडा घर–घर तक पहुंचाएं। जो 14 में आए इन्हें 24 में बाहर करेंगे। अखिलेश उन्हें सपा सरकार में अधिवक्ताओं के लिए किए गए कार्य को गिनाते हुए। अखिलेश ने विभिन्न मुद्दों पर अधिवक्ताओं के सामने अपना पक्ष रखा। अखिलेश ने महंगाई और बेरोजगारी, नोटबंदी के अलावा यूरिया की बोरी से चोरी के मुनाफे के सौदे पर भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा ये और आगे 5 से 10 साल बने रहे तो हमारे आपके सामने बड़ी चुनौती होगी। अखिलेश ने कहा मौजूदा सरकार पर बहुत सारे सवाल हैं? अखिलेश ने आगे कहा अधिवक्ता भाइयों ने सही नारा दिया आज इस लड़ाई में एक जो बुलडोजर लेकर चल रहे हैं और एक जो बाबा का संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। मेरे कपड़े भी अधिवक्ता भाइयों से मेल खाते हैंय सपा प्रमुख अखिलेश यादव अधिवक्ता महासम्मेलन में कहा कि मेरे कपड़े भी अधिवक्ता भाइयों से मेल खाते हैं। इस बार परिवर्तन होना तय है। यह ये जोश बता रहा

है फेरन लवली ने अपना नाम बदल लिया तो इस नाम को भी बदल देंगे। जो सबसे ज्यादा क्रीम चलती थी उसका नाम बदल गया। जो अधिवक्ता साथी नाम देंगे तो नाम भी बदल देंगे। 2024 में परिवर्तन जरूरी है क्योंकि यदि इस बार परिवर्तन नहीं हुआ तो हमें वोट डालने का अधिकार भी नहीं मिलेगा। जो एजेंडा यहां पर रखा गया है जो एजेंडा महत्वपूर्ण है। अखिलेश यादव यही नहीं रुके उन्होंने मीडिया पर भी हमला बोलते हुए कहा कुछ मुद्दों को मीडिया बंधु भी नहीं दिखाते हैं। बीजेपी तमाम सवालों के मुद्दे को दबाती है। आज शहीद की आंकड़े छुपाए जाते हैं। जो जवान शहीद हुआ वह आज शहीद के आंकड़े छुपाए जाते हैं। यही नहीं बीजेपी के लोग वहां नहीं पहुंचते हैं। जहां घटना हुई वहां डिफेंस मिनिस्टर पहुंचे और सेना के अफसर पहुंचे। लेकिन शहीद के घर नहीं पहुंचे। आने वाले वक्त में हो सकता है इन अफसरों का कोर्ट मार्शल भी हो। भारत में कुछ लोगों को लेकर हवाई जहाज चला और फ्रांस में उतर गया। जांच में सामने आया अमेरिका में गोपनीय तरीके से जा रहे थे। अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा जो स्टेट संपन्न है आखिर वहां से लोग रोजगारों के लिए बाहर क्यों जा रहे हैं। एक–एक व्यक्ति को 60– 60 लाख रुपए देने पड़ रहे है। यह भारत छोड़कर जा रहे थे। सिर्फ व्यापार के लिए ही नहीं अन्य कारण भी है। आखिर केंद्र सरकार को बताना चाहिए कि देश छोड़कर क्यों लोग जा रहे हैं। आखिर सरकार को आंकड़े बताना चाहिए कि क्यों देश से लोग छोड़कर जा रहे हैं। अखिलेश ने अधिवक्ता महासम्मेलन में नोटबंदी की पॉलिसी पर सवाल उठाते हुए कहा कि नोटबंदी से क्या भ्रष्टाचार कम हुआ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार बढ़ा है।

कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री का खटखटाया दरवाजा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह यादव ने सरकार से अनुरोध किया है की पार्क के कर्मचारी 12 दिनों से निरंतर इको गार्डन में अपनी समस्याओं को लेकर धरना दे रहे हैं, उनकी समस्याओं का समाधान किया जाये। मैंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया है कि अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों का बराबर उत्पीड़न किया जा रहा है और छोटे कर्मचारियों की कोई सुनवाई नहीं हो रही, समय से वेतन नहीं भुगतान किया जा रहा है। इन कर्मचारियों के पीएफ में घोटाला किया गया है जिसको लेकर आवाज उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं हुई। महासंघ के संज्ञान में यह भी आया है कि दो कर्मचारियों को अपनी मांगों को लेकर लगातार पत्राचार करने के बाद भी नहीं सुनवाई होने के कारण धरने के माध्यम से पहुंचना ज्ञापन के माध्यम से पहुंचाना चाहते थे।

उसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई और दो कर्मचारियों को निलंबन कर दिया गया। चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ इसकी घोर निंदा करता है। मुख्यमंत्री से अपील है कि शीघ्र ही वार्ता के माध्यम से इन कर्मचारियों की मांगों का निस्तारण किया जाए। धरने पर कड़क सर्दी के मौसम में अपने बच्चे छोड़कर महिलाएं पुरुष सभी बैठे हुए हैं। कोई अनहोनी न हो इसको ध्यान में रख रखते हुए उच्च अधिकारियों को निर्देशित कर समस्या का हल करें। यदि समय रहते सुनवाई नहीं होगी तो महासंघ को मजबूर होकर इस आंदोलन में भागीदारी करना पड़ेगा प्रदेश महामंत्री सुरेश सिंह ने आरोप लगाया कि अन्य विभागों में भी इसी तरह छोटे कर्मचारियों का निरंतरण उत्पीड़न किया जा रहा है।विभागों में रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए।लाखों पद विभागों में रिक्त हैं जिसके कारण एक–एक कर्मचारी को कई कई अधिकारियों के साथ काम करना पड़ रहा है जिसके कारण छोटे कर्मचारियों को अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न किया जा रहा है ।यह महासंघ बर्दाश्त नहीं करेगा।पूरे उत्तर प्रदेश में विभागों में 4:30 लाख पद रिक्त है जो अस्थाई युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 को : सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट, अयोध्या में किया कैंप

संवाददाता

लखनऊ। राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर देश विदेश की नजर टिकी हैं। 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। स्टेट एजेंसियों के अलावा केंद्र की एजेंसियों ने जिले में कैंप किया है। 15 टीमें छानबीन कर रही हैं। श्रीराम मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले किया गया है। रामनगरी में 30,000 जवान तैनात किए जा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर आईबी, एलआईयू, एटीएस, एसटीएफ, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत सात सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व ही डेरा डाल दिया है। खुफिया जानकारी जुटा रही टीमों में एक डिप्टी एसपी, एक निरीक्षक व छह–छह सिपाही लगे हैं। इन्हें मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम समेत तमाम आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। अयोध्या में होने वाली गतिविधियों पर उनकी नजर है। फिदाइन हमले रोकने के लिए मंदिर के आसपास क्रैश रेटेड बोलार्ड लग रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से आसपास के इलाकों की निगरानी होगी। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। जवान आतंकी खतरों से निपटने में सक्षम हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की निगरानी शुरू कर दी गई। बताया गया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए। इन्हें तीन माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त है। एटीएस से आधुनिक हथियारों को चलाने का और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का ऑन जॉब ट्रेनिंग, पांच दिवस का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी मिला। रामनगरी को सेक्टरों में बांटा गया है। इसके लिए 100 डिप्टी एसपी, 300 निरीक्षक, 800 उपनिरीक्षक व 4500 मुख्य आरक्षीध्आरक्षी की मांग की गई है। 20 कंपनी पीएसी तैनात रहेगी।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। पुलिस के रडार पर रहने वाले लोगों को इस दौरान अयोध्या में घुसने नहीं दिया जाएगा। पुलिस ने मय फोटो इनका डाटाबेस तैयार कर लिया है। इनकी गतिविधियों पर अभी से नजर रखी जा रही है। श्रीराम मंदिर की सुरक्षा को पहले से अब और चुस्त किया जा रहा है।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देशभर के विशिष्टजन शामिल होंगे। अयोध्या में बेहिसाब भीड़ उमड़ेगी। सुरक्षा पर सरकार का फोकस है। पुलिस की नजर खुराफातियों पर है जो भीड़ का लाभ उठाकर गड़बड़ कर सकते हैं। आसपास के जिलों के साथ ही प्रदेश भर से ऐसे लोगों की पहचान करके पूरी कुंडली पुलिस ने मंगवा ली है। रणनीति यह है कि ऐसे लोगों को अयोध्या में घुसने न दिया जाए। यहां आने का प्रयास किया तो धर दबोचे जाएंगे। सुरक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया जाएगा।21 और 22 जनवरी को भारी वाहन इधर से नहीं जाएंगे। छोटे वाहनों के लिए अलग से व्यवस्था होगी। आमंत्रित अतिथियों के लिए बेहतर व्यवस्था रहेगी। पार्किंग स्थलों पर कैमरे लगाए जा रहे हैं। राम मंदिर की सुरक्षा का नया प्लान लागू किया जा रहा है। बिना अनुमति इस क्षेत्र में ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे। श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार के लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। आईजी अयोध्या प्रवीण कुमार के मुताबिक भीड़ में अराजकता फैलाने वाले लोग अभी से चिह्नित किए जा रहे हैं। खुफिया के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से निगरानी की व्यवस्था की जा रही है।

सपा की चाहत, नीतीश बने अगले पीएम

संवाददाता

लखनऊ। लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर विपक्षी गठबंधन यानि इंडिया अलायंस तैयारियों में जुटा है। बैठकें शुरू हैं और नेता एक दूसरे से मुलाकात कर रहे हैं। अबतक अलायंस के संयोजक और प्रधानमंत्री पद के लिए किसे चुना जाएगा इसका फैसला नहीं लिया जा सका है। इस बीच समाजवादी पार्टी ने एक बड़ी मांग इंडी गठबंधन के सामने रख दी है। सपा के प्रवक्ता और पूर्वमंत्री आईपी सिंह ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। सपा प्रवक्ता के इस ट्वीट से इंडी गठबंधन की तरफ से चुने जाने वाले प्रधानमंत्री पद को लेकर राजनीति बढ़ गई है। सपा नेता आईपी सिंह ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट लिखा, देशभर के पटेल समाज और पीडीए ने तय कर लिया है कि पिछड़े वर्ग के पटेल नीतीश कुमार को देश का अगला प्रधानमंत्री बनाना है। सिंहासन खाली करो की जनता आती है। आईपी सिंह ने जो तस्वीर शेयर की है उसमें समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की तस्वीर और जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार की तस्वीर है। तस्वीर में लिखा है, यूपी और बिहार गया मोदी सरकार।इ समाजवादी पार्टी ने पीएम पद के लिए नीतीश कुमार का नाम आगे बढ़ाया है। गठबंधन की दिल्ली में हुई बैठक के दौरान के दौरान टीएमसी और आम आदमी पार्टी ने एक सुर में मल्लिकार्जुन खरगे को प्रधानमंत्री और संयोजक बनाए जाने की सिफारिश की थी जिसे खरगे ने खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले चुनाव हो जाएं, इसके बाद इसपर चर्चा की जाएगी। खरगे ने शनिवार को कहा कि गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेता गठबंधन में पदों के आवंटन पर 10–15 दिनों के भीतर फैसला लेंगे। खरगे की टिप्पणी तब आई जब ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले संयोजक चुन सकता है।

राजधानी में दो जगहों पर लगी आग

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को दो अलग–अलग इलाके में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। हजरतगंज स्थित सप्रू मार्ग पर बने होटल के पांचवें तल पर आग लगी। जहां पर फंसे पांच लोगों को फायर कर्मियों की मदद से कुशल बचाया गया। वहीं दूसरी तरफ इंदिरा नगर स्थित स्टील कारखाने के बेसमेंट में आग लग गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने स्टील कारखाने के बेसमेंट में लगी आग को बुझा लिया और कोई भी जनहानि नहीं हुई। हजरतगंज एक सप्रू मार्ग पर बने पर्यटन विभाग के बने होटल गोमती में आग लग गई। यह आग करीब 1.00 बजे लगी। होटल कर्मचारी गंगाधर तिवारी का कहना है कि आग लगने की सूचना पर दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां आई थी और करीब आधा दर्जन से ज्यादा होटल के कर्मचारियों की मदद से आग पर 35 मिनट में काबू पा लिया गया। आग बुझाने में किसी भी जनहानि या जान माल का नुकसान नहीं हुआ है।

मायावती की अखिलेश को नसीहत-अपने गिरेबान में झांकें

सपा सुप्रीमो का जवाब, नो कमेंट...100 दिन बचे हैं बीजेपी जाएगी

संवाददाता

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने सपा सुप्रीमो को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली। मायावती के इस बयान पर जब अखिलेश से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा– नो कमेंट, 100 दिन बचे हैं... बीजेपी जाएगी। दरअसल, अखिलेश शनिवार को बलिया में थे। मीडिया के सवाल–इंडिया गठबंधन में मायावती जुड़ती हैं तो क्या ये गठबंधन के लिए फायदा होगा? इस पर उन्होंने कहा था–चुनाव बाद की गारंटी कौन लेगा? यानी बाद में मायावती किस पार्टी के साथ चली जाएं, इसकी गारंटी कौन लेगा। यही बात मायावती को चुभ गई। क्योंकि, कहीं न कहीं इसके जरिए पार्टी की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए गए।

अखिलेश के इसी बयान पर मायावती ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पलटवार किया। मायावती ने रविवार को एक्स पर दो पोस्ट की। इसमें लिखा, अखिलेश को बसपा पर अनर्गल तंज कंसने से पहले अपनी गिरेबान में झांककर देखना चाहिए। अखिलेश अपनी और अपनी सरकार की दलित विरोधी आदतों से मजबूर हैं। उन्हें देखना चाहिए कि उनका दामन भाजपा को बढ़ाने और भाजपा से मेलजोल करने में कितना दागदार है। उन्होंने अगली पोस्ट पर लिखा, तत्कालीन सपा प्रमुख ने भाजपा को संसदीय चुनाव जीतने से पहले और बाद में आशीर्वाद दिया, इसे कौन भूल सकता है। भाजपा सरकार बनने पर सपा का भाजपा के शीर्ष नेताओं से मिलना–जुलना जनता भूल नहीं सकती। ऐसे में सपा सांप्रदायिक ताकतों से लडे तो उचित होगा। दरअसल, मायावती का इशारा दिवंगत मुलायम सिंह यादव पर था। क्योंकि संसद में पीएम मोदी को दूसरे कार्यकाल पर मुलायम ने आशीर्वाद दिया था।

रविवार को लखनऊ के सपा कार्यालय में अधिवक्ता महासम्मेलन था। इसमें अखिलेश यादव शामिल हुए। मीडिया से अखिलेश ने बातचीत की। सवाल–मायावती ने गिरेबान में झांकने और बीजेपी से आशीर्वाद लेने की बात कही है, आप क्या कहेंगे? इस पर उन्होंने कहा–नो कमेंट, 100 दिन बचे हैं... बीजेपी जाएगी। हालांकि, यह कोई पहला मौका नहीं है, जब बसपा को लेकर सपा की ओर से इस तरह का कोई कमेंट आया हो।

अयोध्या को पर्यटन के लिहाज से विकसित करने पर फोकस

संवाददाता

लखनऊ। आध्यात्मिक राजधानी के तौर पर अयोध्या के विकास के विजन को साकार कर रही उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अवधपुरी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने पर सबसे ज्यादा फोकस कर रही है। श्रद्धालुओं को असुविधा न हो तथा उन्हें समुचित नागरिक सुविधाओं का लाभ मिले, इस पर फोकस करते हुए सीएम योगी के दिशा–निर्देशन में विजन डॉक्यूमेंट 2047 के अंतर्गत परियोजनाओं पर कार्य निरंतर जारी है। अयोध्या विकास प्राधिकरण एडीए ने पवित्र सरयू नदी के किनारे दर्शनीय घाटों को प्रीफैब टॉयलेट्स की परियोजना से आच्छादित करना शुरू कर दिया है, जिससे पर्यटकों को प्रसाधन सुविधा के दृष्टिगत किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के उपरांत श्रीराम जन्मभूमि मंदिर समेत सरयू घाटों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्ज की जाएगी। 15 जनवरी को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर यहां माघ स्नान के अंतर्गत साधु–संन्यासी, श्रद्धालु व अयोध्या की जनमानस पवित्र सरयू में विभिन्न घाटों पर डुबकी लगाएगी। ऐसे में प्रीफैब टॉयलेट्स की स्थापना व संचालन के जरिए उन्हें प्रसाधन सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के दृष्टिगत भी योगी सरकार व अयोध्या जिला प्रशासन कार्य कर रही है। अयोध्या के सरयू घाटों पर जिन 500 प्रीफैब टॉयलेट्स की स्थापना, संचालन व रखरखाव की प्रक्रिया शुरू की गई है, एजेंसी निर्धारण द्वारा पूरा किया जाएगा जिसकी प्रक्रिया जारी है। एजेंसी निर्धारण के लिए क्वॉलिटी कॉस्ट बेस्ड सिलेक्शन प्रक्रिया को प्रयोग में लाया जा रहा है। टॉयलेट्स को एजेंसी के माध्यम से न्यूनतम 12 महीने के लिए संचालन व उपयोग में लाया जाएगा।

'डालीगंज में पांच सौ असहाय लोगों को बाटा गया कंबल'

संवाददाता / लखनऊ। डालीगंज स्थित मोतीचंद्र की गद्दी परिसर में उत्तर विधायक डॉ नीरज बोरा ने शीत लहर से राहत देने के लिए मुख्यमंत्री गरीब कल्याण योजनाओं के तहत डालीगंज निरालानगर वार्ड के अंतर्गत पांच सौ से अधिक वृद्ध, असहाय, जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अंकित मिश्रा ने कहा कि शहर के सभी जगहों पर जरूरतमंदों को कंबल वितरण किया जा रहा है।

द एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से हेल्थ कैंप कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। द एमएसजी फाउंडेशन ने जयपुरिया के पास गरीब जुग्गी झोपड़ी में रहने वाले लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए मुफ्त हेल्थ कैम्प का आयोजन किया। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य है कोई भी जरूरतमंद बीमार ना रहे। आज का यह कार्यक्रम इसी उद्देश्य के साथ किया गया। आज के इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शहाना सिद्दीकी, (सोशल एक्विस्ट) र्ता (मोहम्मद अब्बास आलम (एम डी एंड को– फाउंडर, गैब्रियल कॉन्चेंट, असद रिजवी स्वतंत्र पत्रकार) मौजूद रहे। इस कार्यक्रम मैं आए सभी लोगों ने कार्यक्रम को सारा और कहा कि जिस तरह से यह कार्यक्रम जरूरतमंदों के लिए किया जा रहे हैं इस तरह के कार्यक्रम हर क्षेत्र में होने की जरूरत है क्योंकि सबसे बड़ी जरूरत सेहत है सेहत के लिए इस तरह के मेडिकल कैंपों का आयोजन किया जाना बहुत ही जरूरी है और यह द एमएसजी फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा कार्य काबिले तारीफ है। इस मौके पर मेडिकल टीम में डॉ. मोहम्मद आसिफ, डॉ. मोहम्मद उस्मान, डॉ. सै. अबुल कासिम रिजवी, डॉ.अर्शीन अतहर, डॉ. महक बाकरी डॉ. मशियत फातिमा (राना क्लिनिक), डॉ. मुरसलीन उम्मे कुलसुम आइमा अतहर मौजूद रहीं। वही द एमएसजी फाउंडेशन की तरफ से वसीम अब्बास, सै अली हुसैन, फाउंडेशन के संस्थापक मोहम्मद सादिक, फाउंडेशन के अध्यक्ष मोहम्मद आलम, फाउंडेशन के उपाध्यक्ष शुजा तबातबाई, वली मिर्जा, अल्मान हुसैन, शबी हैदर, आफताब मिर्जा, अरमान हसन, इमरान अली, आदिल मिर्जा मौजूद रहे।

योगी ने लगाया जनता दरबारय सुनी 200 लोगों की फरियाद

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर में है। आज यानी रविवार को सीएम योगी ने गोरखपुर मंदिर में जनता दरबार लगाया। इस जनता दरबार में करीब 200 लोग अपनी समस्या लेकर पहुंचे। सीएम ने सभी की समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि सबकी समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सब की समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। बता दें कि सीएम योगी ने हमेशा की तरह इस बार भी गोरखपुर मंदिर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान सीएम योगी ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थनापत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया।

प्रधानाचार्य श्री अक्षयवर तिवारी (इण्टर कॉलेज नेवढ़िया) के पिताजी श्री श्रीनाथ तिवारी (92) का निधन हो गया। प्रधानाचार्य के पिता अल्प समय से बीमार चल रहे थे। बीमारी के कारण शुक्रवार दोपहर 1 बजे उनका निधन हो गया । वे बेहद धार्मिक एवं दयालु प्रवृत्ति के थे। सबके साथ पितवत् व्यवहार करते थे। यही कारण है कि उनके मौत की खबर सुनते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । वे अपने पीछे बेटी– बेटा, नाती–पोतों से भरा–पूरा परिवार छोड़कर गए। सभी तरह के कर्मकांड गांव में किए जायेगे। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई है।

अयोध्या में श्री राम मंदिर 22 जनवरी 2024 को अब साकार होगी राम राज्य की परिकल्पना

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या में देश में सबको 22 जनवरी 2024 का इंतजार है। जैसे–जैसे 22 तारीख नजदीक आ रही है, वैसे–वैसे देशवासियों की अधीरता बढ़ती जा रही है। वक्त काटे नहीं कट रहा है। हर सनातनी और राष्ट्रवादी देशवासी उस घड़ी का साक्षी बनने को आतुर है, जब अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। सनातन संस्कृति के आस्थावान इस अवसर को दिव्य, अद्भुत, अलौकिक तथा देश के सम्मान की पुनर्स्थापना का मार्ग प्रशस्त करने वाला मान रहे हैं। आशा की जा रही है कि श्रीराम लला के अयोध्या में विराजमान होने के बाद भारत फिर से राम राज्य बनने की ओर अग्रसर होगा।22 तारीख के इंतजार में देश में कुछ वैसा ही माहौल है, जिस प्रकार दीपावली पर्व और स्वाधीनता दिवस से पहले हुआ करता है। देश का हर नागरिक इस दिन दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए तत्पर है। सनातन धर्म और संस्कृति में जिनकी आस्था है, उनके लिए जितना 15 अगस्त के दिन का महत्व है, उतना ही जनवरी की 22 तारीख का भी होगा। यह कोई साधारण दिन नहीं है और न ही आसानी से देखना नसीब हो रहा है। यह कई पीढियों द्वारा सदियों तक किए गए प्रयासों–संघर्षों का परिणाम है। श्रीराम के प्रयोजन के लिए जिन लोगों ने अपना सर्वस्व होम कर दिया, यह उन हुतात्माओं के बलिदान का प्रतिफल है।

अयोध्या में बना यह मंदिर देश के लिए सिर्फ पूजास्थल नहीं है बल्कि यह हमारे लिए तप, त्याग और संकल्प प्रतीक और स्थायी प्रेरणापुंज बनने जा रहा है। इसकी वजह साफ है–श्रीराम का यह भव्य मंदिर जिस आंदोलन की बदौलत आकार ले पाया है, वह अर्पण, तर्पण और संकल्प से ओत–प्रोत आंदोलन था। उसी अर्पण, तर्पण और संकल्प की बदौलत ये मंदिर कोटि–कोटि लोगों की सामूहिक संकल्प शक्ति और हमारे राष्ट्र का प्रतीक बनने जा रहा है। जन मान्यता है कि इसी मंदिर में श्री रामलला के विराजित होने के उपरांत राम राज का शिलान्यास भी हो जाएगा। उस राम राज की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी परिकल्पना न जाने कब से हम भारत के लोग कर रहे हैं। सदियों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है। राम राज की परिकल्पना के साकार होने का वक्त नजदीक आ रहा है।अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनरू अंगीकार कर रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद समेत सौ से ज्यादा संस्थाएं समाज को जाग्रत कर रही हैं। निश्चय ही आने वाला समय अच्छा समय है, इसमें श्रीराम मंदिर मील का पत्थर बनने जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो अगले पच्चीस सालों में मंदिर से राम राज की यात्रा का शुभारंभ करने की तैयारी शुरू की है। इसके लिए संघ की एक महत्ती योजना है, जिसके तहत संघ अगले पच्चीस सालों में ऐसे सशक्त भारत का निर्माण करना चाहता है जिसकी बदौलत भारत एक बार पुनरू विश्व गुरु बने। वर्ष 2047 में देश की आजादी के एक सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर आरएसएस की जो परिकल्पना है, उसे साकार करने के लिए केन्द्र बिंदू राम का मंदिर है और संघ समाज की सभी संस्थाओं को राम राज्य की परिकल्पना के अनुरूप संवैधानिक दायरे में स्थापित करने का रोड मैप बना रहा है। संघ चाहता है कि आगामी पच्चीस सालों में प्रत्येक व्यक्ति का हृदय ऐसा हो, जिसमें श्रीराम स्वयं बसें और प्रत्येक व्यक्ति अपने व्यक्तिगत एवं पारिवारिक जीवन की रचना इसी के अनुरूप करे।आज यह सब करने की जरूरत इसलिए पड़ रही है क्योंकि अतीत में समय चक्र कुछ ऐसे चला, जिससे आसुरी शक्तियां हावी हो गईं। विदेशी आक्रांताओं की वजह से एक लंबे कालखंड तक देश में प्रतिकूल हालात बने रहे। आक्रांताओं ने हमारे विशाल भवन नष्ट कर दिए। हमारे अस्तित्व के खात्मे की कोशिशें की गईं मगर वह श्रीराम को भला किस प्रकार मिटा पाते। उस राम को कैसे मिटाते, जो कण–कण में हैं, हर जन के हृदय में हैं। वक्ती तौर पर भवनों को ढहा देने वाले आक्रांता खुश हो कर चले गए लेकिन जिस प्रकार काले बादलों का अंधेरा छंटने पर सूर्य की सप्त रश्मियां वातावरण को फिर से जगमग कर देती हैं, उसी प्रकार राम मंदिर की बदौलत देश में सुख, शांति, समृद्धि, वैभव की जगमगाहट होना तय हो गया है। महज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोध के लिए कुछ राजनीतिक दल श्रीराम मंदिर पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहे हैं। ऐसे जनाधार विहीन दलों के मुट्ठी भर नेताओं को समझना चाहिए कि राम का मंदिर किसी एक व्यक्ति अथवा पार्टी का नहीं है। यह ऐसी राष्ट्रीय धरोहर है, जिससे करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है। करोड़ों लोगों के सहयोग से ही राम जी यह काज संपन्न हो पाया है। करोड़ों लोगों ने इसमें सहयोग किया क्योंकि उनकी मान्यता है कि राम तो घट–घट में हैं। राम किसी एक के नहीं, सबके हैं। समूचे संसार के हैं। भारतवर्ष में करोड़ों लोगों की आस्था के केन्द्र राम हैं तो चीन, इरान, थाईलैंड, मलेशिया व कम्बोडिया में भी श्रीराम कथा एवं प्रसंगों का विवरण मिलता है। नेपालवासियों के माता जानकी से आत्मीय रिश्ते के बारे में भला कौन नहीं जानता। हर किसी को पता है कि श्रीलंका में जन मानस जानकी हरण कथा सुनकर श्रद्धावनत होता है। इंडोनेशिया, जो दुनिया का सबसे बड़ा इस्लामिक देश है, में रामायण के कई रूप हैं।आज यह धारणा बलवती हो रही है कि राम मंदिर अनंत काल तक समूची मानवता को प्रेरणा देगा तो यह अकारण नहीं है। शास्त्रों में उल्लेख इस बात का है कि श्रीराम के समान कोई नीतिवान समूची धरा पर कभी नहीं हुआ। आज अगर राम राज की परिकल्पना साकार होने की प्रार्थना और उम्मीद की जा रही है तो इसका भी कारण है क्योंकि कोई गरीब व दुरूखी न हो, यह राम राज का उद्देश्य था। श्रीराम का संदेश यह था कि नर–नारी को समान भाव से सुख मिले और बुजुर्गों व बच्चों की सदैव रक्षा हो।कुछ लोगों के मन में प्रश्न उठ सकता है कि आखिर राम राज क्या है? दरअसल, राम राज एक सामाजिक व्यवस्था का नाम है। यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसकी परिकल्पना महात्मा गांधी ने भी की थी। राम राज रूपी सामाजिक व्यवस्था समर्पण एवं त्याग की भावनाओं से ओत–प्रोत है। राम राज ऐसी व्यवस्था का द्योतक है, जिसमें शांति, सत्य और जन भावना का समावेश लाजिमी है। इसमें 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की भावना निहित है। लोक भावनाओं के सम्मान के बिना तो राम राज की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। तुलसी दास जी ने राम राज के बारे में रामायण में जो लिखा है, उसे देखिए। तुलसी दास की कहते हैं– ''दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, रामराज काहु नहीं व्यापा।'' अर्थात राम जी के राज में न देह से संबंधित रोग थे, न दैवीय प्रकोप और न ही भौतिक आपदाओं का प्रभाव व्याप्त था।महात्मा गांधी के 20 मार्च, 1930 को हिन्दी पत्रिका 'नवजीवन' में 'स्वराज्य और रामराज्य' शीर्षक से प्रकाशित लेख में राम राज्य का बहुत ही सुंदर शब्दों में वर्णन किया गया है। गांधी जी लिखते हैं कि ''स्वराज्य के कितने ही अर्थ क्यों न किए जाएं, तो भी मेरे नजदीक तो उसका त्रिकाल सत्य एक ही अर्थ है, और वह है रामराज्य, यदि किसी को रामराज्य शब्द बुरा लगे तो मैं उसे धर्मराज्य कहूंगा। रामराज्य शब्द का भावार्थ यह है कि उसमें गरीबों की संपूर्ण रक्षा होगी। सब कार्य धर्म पूर्वक किए जाएंगे और लोकमत का हमेशा आदर किया जाएगा। ज्सच्चा चिंतन तो वही है, जिसमें रामराज्य के लिए योग्य साधन का ही उपयोग किया गया हो. यह याद रहे कि रामराज्य स्थापित करने के लिए हमें पाण्डित्य की कोई आवश्यकता नहीं है. जिस गुण की आवश्यकता है, वह तो सभी वर्गों के लोगों– स्त्री, पुरुष, बालक और बूढ़ों– तथा सभी धर्मों के लोगों में आज भी मौजूद है. दुरूख मात्र इतना ही है कि सब कोई अभी उस हस्ती को पहचानते ही नहीं हैं. सत्य, अहिंसा, मर्यादा–पालन, वीरता, क्षमा, धैर्य आदि गुणों का हममें से हरेक व्यक्ति यदि वह चाहे तो क्या आज ही परिचय नहीं दे सकता?श्रीराम का मार्ग मानवता का मार्ग है। जब–जब हम श्रीराम के मार्ग पर चले हैं तो सुख का विस्तार हुआ है, समृद्धि ने पांव पसारे हैं और विकास ने बाहें फैलाई हैं लेकिन यह भी सत्य है कि जब–जब हम राम जी के रास्ते से भटके हैं तो हमारा पतन हुआ है। अब हम सही रास्ते पर हैं यानी राम के मार्ग पर हैं। हमारा मूल रास्ता ही यही है क्योंकि राम हमारी संस्कृति के आधार हैं। वह हमारे राष्ट्र की मर्यादा और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। हमारी तो हर सुबह 'राम–राम' से होती है। हमारा तो हर काम ही राम आसरे होता है। हमें तो प्रेरणा भी प्रभु श्रीराम से ही मिलती है। भारत की अनेकता में एकता के सूत्र कोई और नहीं, स्वयं श्रीराम ही हैं। यदि हमारे देश की आत्मा राम हैं तो देशवासियों के दर्शन, दिव्यता और आस्था में भी राम ही हैं। जब सब कुछ श्रीराम हैं तो राम राज भी अपरिहार्य है। राम राज की परिकल्पना को साकार करने के लिए सबको योगदान देना चाहिए।

सभी राम भक्तों को न्योता दे रहे हैं स्वयंसेवक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आगामी पौष शुक्ल , द्वादशी ,विक्रम संवत 2080, सोमवार दिनांक 22 जनवरी 2024 के शुभ दिन, प्रभु श्री राम के बाल रूप नूतन विग्रह को ,श्री राम जन्मभूमि पर बन रहे नवीन मंदिर भूतल के गर्भगृह में विराजित करके प्राण –प्रतिष्ठा की जायेगी।

इस अवसर पर दीनदयाल नगर इंदिरा नगर के सभी 9 शाखाओं के स्वयंसेवक और सभी बस्ती के उप बस्ती में घर घर जाकर और मातृ शक्ति को साथ लेकर राम जन्मभूमि से आये पूजित अक्षत , पत्रक और चित्र को घर –घर जाकर पहुंचा रहे है और सभी राम भक्तों को न्योता दे रहे हैं। और दीनदयाल नगर के सभी नगर कार्यकारिणी और गतिविधि सहित मुख्य शिक्षक शाखा करवाहा तथा शाखा के गट नायक राम भक्तों से अपील कर रही है कि 22 जनवरी को प्राण –प्रतिष्ठा के दिन अपने–अपने मोहल्ले कॉलोनी में स्थित किसी भी मंदिर में आस –पड़ोस के राम भक्तों को एकत्रित करके भजन कीर्तन करें ।और उसी दिन सभी अपने–अपने घरों में घर के बाहर दीपक जलाएं और दीपावली की तरह दीपोत्सव मनाये। तिलक शाखा के शाखा कारवाह जगन्नाथ जी ओर संयोजक दुर्गेश जी के नेतृत्व में आज तिलक बस्ती में वृहत अक्षत वितरण का कार्यक्रम हुआ जिसमें तिलक शाखा के मुख्य शिक्षक संजीव जी अभिषेक जी तथा दीनदयाल नगर के सेवा प्रमुख शोभित जी और शाखा के सभी स्वयंसेवक ने बढ़ चढ़कर कर भाग लिया लगभग 300 घरों में आज अक्षत पहुंचा अभी तक दीनदयाल नगर में कुल 8000 घरों में अक्षत पहुंच चुका है। चंदन प्रचार प्रमुख ने बताया कि घरों में घी के दीए जलाए जाएंगे।

7 सुरक्षा एजेंसियों के लगे कैंप, तलाशी में जुटीं 15 टीमें

प्राण प्रतिष्ठा के दिन होंगे तीस हजार जवान

अयोध्या। (राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) 22 जनवरी को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। स्टेट एजेंसियों के अलावा केंद्र की एजेंसियों ने भी जिले में कैंप किया है।15 टीमें विभिन्न इलाकों में छानबीन करके इनपुट तलाश रही हैं। वहीं, श्रीराम मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा कमांडो के हवाले किया गया है। रामनगरी में लगभग 30,000 जवान तैनात किए जा रहे हैं।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिले में आईबी, एलआईयू, एटीएस, एसटीएफ, मिलिट्री इंटेलिजेंस समेत सात सुरक्षा एजेंसियों ने प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व ही कैंप किया है। खुफिया जानकारी जुटा रही टीमों में एक डिप्टी एसपी, एक निरीक्षक व छह–छह सिपाही लगे हैं। इन्हें मोबाइल ट्रैकिंग सिस्टम समेत तमाम आधुनिक उपकरणों से लैस किया गया है। अयोध्या में होने वाली तमाम संभावित गतिविधियों पर उनकी नजर है। फिदाइन हमले रोकने के लिए मंदिर के आसपास क्रैश रेटेड बोलार्ड लगाए जा रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से आसपास के इलाकों की निगरानी होगी।

हवाई अड्डे पर तैनात जवान आतंकी खतरों से निपटने में सक्षम

महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल की छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। ये जवान आतंकी खतरों से निपटने की क्षमता रखते हैं। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों की कुल संख्या 294 है। इन्हें वॉच टावर के साथ सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिये पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई। यूपीएसएसएफ के मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए। इन्हें तीन माह का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त है। यूपी एटीएस से आधुनिक हथियारों को चलाने का और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का ऑन जॉब ट्रेनिंग, पांच दिवस का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण भी मिला है।

अलग–अलग सेक्टरों में बांटा

एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि रामनगरी को सेक्टरों में बांटा गया है। इसके लिए लगभग 100 डिप्टी एसपी, 300 निरीक्षक, 800 उपनिरीक्षक व 4500 मुख्य आरक्षी। आरक्षी की मांग की गई है। 20 कंपनी पीएसी भी तैनात रहेगी।

अयोध्या में घुस नहीं पाएंगे खुराफाती

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने सुरक्षा का ब्लू प्रिंट तैयार कर लिया है। पुलिस के रडार पर रहने वाले लोगों को इस दौरान अयोध्या में घुसने नहीं दिया जाएगा। पुलिस ने मय फोटो इनका डाटाबेस तैयार कर लिया है। इनकी गतिविधियों पर अभी से नजर रखी जा रही है। श्रीराम मंदिर की सुरक्षा को पहले से अब और चुस्त किया जा रहा है।रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित देशभर के विशिष्टजन शामिल होंगे। इसके बाद अयोध्या में बेहिसाब भीड़ उमड़ेगी। समारोह के दौरान सुरक्षा पर सरकार का फोकस है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस की नजर ऐसे खुराफातियों पर है जो भीड़ का लाभ उठाकर गड़बड़ कर सकते हैं। आसपास के जिलों के साथ ही प्रदेश भर से ऐसे लोगों की पहचान करके पूरी कुंडली पुलिस ने मंगवा ली है। अब रणनीति यह है कि ऐसे लोगों को अयोध्या में घुसने न दिया जाए। यहां आने का प्रयास किया तो धर दबोचे जाएंगे। समारोह के दौरान सुरक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग किया जाएगा।

दिन नहीं गुरजेंगे भारी वाहन

21 और 22 जनवरी को भारी वाहन इधर से नहीं जाएंगे। छोटे वाहनों के लिए अलग से व्यवस्था होगी। आमंत्रित अतिथियों के लिए बेहतर व्यवस्था रहेगी। पार्किंग स्थलों पर कैमरे लगाए जा रहे हैं। राम मंदिर की सुरक्षा का नया प्लान लागू किया जा रहा है। बिना अनुमति इस क्षेत्र में ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे। श्रद्धालुओं से बेहतर व्यवहार के लिए पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है।इस संबंध में आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर भीड़ में अराजकता फैलाने वाले लोग अभी से चिह्नित किए जा रहे हैं।खुफिया के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से निगरानी की व्यवस्था की जा रही है प्रवीण कुमार, आईजी, अयोध्या

सृष्टि अपार्टमेंट में सुंदर कांड पाठ, उमड़ी भक्तों की भीड़

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी में कुर्सी रोड़ पर स्थित सृष्टि अपार्टमेंट में हनुमान जी के अनन्य भक्त व आप की खबर न्यूज पोर्टल के चेयरपर्सन राजीव श्रीवास्तव के फ्लैट में कल शाम संगीतमय सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कई महिला व पुरुष भक्तजनों ने भजन सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को आनंदित किया।

नये साल के पहले सप्ताह में सृष्टि अपार्टमेंट में आयोजित सुंदर कांड पाठ का श्रीआरभ हनुमान जी के भक्त धर्मेंद्र सक्सेना ने विधिवत पूजा पाठ से किया। मुख्य यजमान राजीव व उनकी धर्मपत्नी नीतू श्रीवास्तव रहीं। सुंदर कांड पाठ राहुल श्रीवास्तव की देखरेख में संचालित हुआ तथा राम दरबार व श्रीहनुमान जी की चौकी आकांक्षा श्रीवास्तव ने सजाई।

सुंदर कांड पाठ में हनुमत् कृपा पत्रिका के संपादक नरेश दीक्षित, के. के. श्रीवास्तव, (अवकाश प्राप्त जिला फार्मेसी अधिकारी), अभिषेक श्रीवास्तव,(डिवीजनल एकाउन्ट ऑफिसर) नरेंद्र द्विवेदी एडवोकेट, पूनम पाण्डेय एडवोकेट,रजनी, अशोक द्विवेदी एडवोकेट, विंध्याचल दूबे, शैलेन्द्र सिंह व उत्सव के अलावा अपार्टमेंट में रहने वाली दर्जनों महिलाएं व पुरुष शामिल रहे। आरती के बाद सभी भक्तों ने भोजन प्रसाद भी ग्रहण किया। कार्यक्रम में भक्तों ने अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की चर्चा के साथ जय श्रीराम नारे का उद्घोष भी किया।

टेक्निकल ट्रेनिंग से सर्वे के ज्ञान में वृद्धि होगी: डॉ दिनेश शर्मा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इंश्योरेंस सर्वेयर एंड लॉस एसेसर (प्प्ैस्।) लखनऊ यूनिट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय टेक्निकल ट्रेनिंग सेमिनार होटल रमाडा पैलेस लखनऊ में आयोजित हुआ। इस समारोह के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश डॉ दिनेश शर्मा थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सर्वेक्षणों का व्यवसाय देश के करोड़ बीमा धारकों को सेवा प्रदान करना है। इस तरह की टेक्निकल ट्रेनिंग से सर्वे के ज्ञान में वृद्धि होगी जिससे वह बीमा धारकों को त्वरित सेवा प्रदान कर सकेंगे व पॉलिसी होल्डर का दावा समय से भुगतान हो सकेगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यदि सर्वेक्षकों के व्यवसाय में कोई समस्याएं आ रही हैं तो उसके निदान हेतु भी वह प्रयत्न करेंगे। इस अवसर पर मनोज गुप्ता यूनिट कोऑर्डिनेटर लखनऊ व प्रोग्राम कन्वीनर ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस्ला के राष्ट्रीय सचिव निर्मल त्रिपाठी ने अपने संबोधन में बताया कि इसला इस सेमिनार में 6 नए प्रोजेक्ट का अवलोकन कर रही है। इसमें मुख्यत ई लाइब्रेरी, ई बुक. आइ एस आओ सर्टिफिकेशन. ट्रेनिंग सिलेबस. सर्वे रिपोर्ट में यू आई डी नंबर है। इन प्रोजेक्ट के द्वारा सर्वे व्यवसाय में गति आएगी साथ ही सर्वेक्षकों के ज्ञान में वृद्धि होगी। व सभी सर्वेक्षकों का डाटा इसला के पास रहेगा। इस कार्यक्रम के ऑब्जर्वर जे सी जोशी ने बताया कि जो भी पार्टिसिपेंट यहां आए हुए हैं हुए पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें जिससे आगे उनको सर्वे कार्य करने में आसानी हो। इस कार्यक्रम में इस्ला के डायरेक्टर अशोक कुमार. नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के डीजीएम चंद्रशेखर. यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के डीजीएम प्रेम सागर वरला, आर एम अमित कपूर. ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी के सी आर एम संजय कुमार, आर एम हेमंत जौहरी उपस्थित रहे। फैकल्टी के रूप में पी सी शुक्ला, मनोहर सेनानी , विशाल गुप्ता, ए.के. सिन्हा उपस्थित रहे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन एल एस चौहान द्वारा दिया गया।

मुख्य आरक्षी सर्वेश पाल को एसपी रेलवे ने किया पुरस्कृत

अयोध्या।अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी में तैनात मुख्य सर्वेश पाल को एसपी रेलवे देव रंजन वर्मा ने पुरुस्कृत किया।मुख्य आरक्षी सर्वेश पाल को सम्मानित करते हुये एसपी रेलवे देव रंजन वर्मा ने कहा कि वे जब भी लगातार अयोध्या दौरे पर रहे तो देखा कि सर्वेश पाल अच्छा कार्य कर रहे हैं।लगातार ड्यूटी के साथ साथ मीडिया का भी काम संभालना थाने में साफ सफाई अच्छे रखरखाव तो कर ही रहे हैं।इसके साथ साथ दिनांक 30 दिसंबर को रेलवे स्टेशन अयोध्या धाम जंक्शन के नवीन बिल्डिंग के उद्घाटन एवं अयोध्या से ही अमृत भारत एवं वंदे भारत और ट्रेनों के शुभारंभ करने का प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत संपूर्ण वीवीआइपी ड्यूटी लगाने की जिम्मेदारी दिन रात मेहनत करके बखूबी निर्वाह किया। जिसके चलते एसपी रेलवे ने मुख्य आरक्षी सर्वेश पाल को नगद धनराशि पुरस्कृत भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए उत्साह वर्धन किया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।